PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 212 ● भिलाई, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल दहलाने वाली वारदात, पत्नी और तीन बच्चों की धारदार हथियार से हत्या

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के चंदन पार्क इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन मासूम बच्चों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वारदात घर के अंदर हुई। आसपास के लोगों को घटना का पता चलने पर पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घर से चारों के शव बरामद किए। सभी की हत्या तेजधार हथियार से किए जाने की आशंका जताई जा रही है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान कर ली गई है और उसकी तलाश में कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

बच्चा चोरी की अफवाह पर युवक को मार डाला

अनुगुल। ओडिशा के मयूरभंज जिला में बच्चा चोरी की अफवाह ने एक बार फिर हिंसा का रूप ले लिया। उग्र भीड़ ने तीन युवकों को बच्चा चोर समझकर बेरहमी से पीट दिया। इस घटना में एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य को पुलिस ने समय रहते बचा लिया। घटना सोमवार को मोराडा थाना क्षेत्र में हुई। ग्रामीणों के बीच बच्चा चोरी की अफवाह तेजी से फैल गई थी। इसी दौरान एक मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक गांव में घूमता नजर आया। वह स्पष्ट रूप से ओडिया भाषा नहीं बोल पा रहा था, जिससे लोगों का शक और गहरा गया। देखते ही देखते भीड़ ने युवक को घेर लिया और लाठियों से पीटना शुरू कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। इसी रात बारिपदा सदर थाना क्षेत्र में भी दो अन्य युवकों को बच्चा चोर होने के संदेह में भीड़ ने घेर लिया। हालांकि पुलिस ने समय रहते पहुंचकर दोनों को बचा लिया। पुलिस ने मामले में 16 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 15 अन्य को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

खनन विभाग के अफसर के फ्लैट से मिला 4 करोड़ कैश, ट्रॉली बैग में भरकर रखें गए थे नोट

भुवनेश्वर। ओडिशा के विजिलेंस विभाग ने माइंस विभाग के डिप्टी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर उनके घर से चार करोड़ रुपये कैश बरामद किए हैं। यह राज्य में अब तक की सबसे बड़ी कैश जब्ती है। अफसर को पहले 30,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था, जिसके बाद उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई। फ्लैट से चार करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

भूपेश बघेल ने जेल की व्यवस्था पर विधानसभा में उठाए सवाल...

आदिवासी नेता की मौत पर सदन में हंगामा,वाक आउट

रायपुर। संवाददाता

रायपुर केन्द्रीय जेल में बंद रहे आदिवासी नेता जीवन ठाकुर की मौत के मामले को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज विधानसभा में उठाया। बघेल ने ठाकुर की मौत को संदिग्ध मानते हुए कई तरह की शंकाएं जताई। इस पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का विस्तार से जवाब भी आया लेकिन विपक्षी कांग्रेस विधायक दल संतुष्ट नहीं हुआ और नारेबाजी करते हुए सदन से वाक आउट कर गया। प्रश्नकाल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सवाल था कि जनवरी 2025 से 31 जनवरी, 2026 की अवधि में राज्य की केंद्रीय एवं जिला जेलों में कुल कितनी अस्वाभाविक मृत्यु (Custodial Deaths) हुई? क्या इन सभी प्रकरणों में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप न्यायिक जांच पूर्ण कर ली गई है? उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा की ओर से जवाब आया कि जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 तक की अवधि में राज्य की केन्द्रीय एवं जिला जेलों में कुल 66 बंदियों की मृत्यु (Custodial Deaths) हुई है। उक्त बंदियों के प्रकरणों में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 18 प्रकरणों में न्यायिक मजिस्ट्रेट जांच की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है तथा 48 प्रकरणों में जांच की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। भूपेश बघेल ने पूछा कि जीवन ठाकुर पहले कांकेर जेल में बंद थे, फिर उन्हें रायपुर जेल में लाकर रखा गया, जहां उनकी मौत हुई। इस मौत के पीछे क्या कारण मानते हैं? विजय शर्मा ने कहा कि जीवन ठाकुर कांकेर जेल में थे। उनके व्यवहार आदि के कारण कोर्ट के आदेश पर उन्हें रायपुर जेल भेजा गया। उनकी तबियत खराब थी, इसलिए उन्हें रायपुर के ही मेकाहारा में इलाज के लिए शिफ्ट किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हुई। उनकी मौत के बाद जांच की प्रक्रिया पूरी की गई। भूपेश बघेल ने कहा कि जीवन ठाकुर कोई सामान्य आदमी नहीं थे। आदिवासी समाज के नेता थे। उन्हें फर्जी केस में फंसाया गया। साथ में उनके बेटे को भी जेल में डाल दिया गया। जीवन ठाकुर शुगर से पीड़ित थे। शिकायत मिला करती थी कि रायपुर जेल अधीक्षक ठाकुर को किसी से मिलने नहीं देते थे। अस्पताल ले जाने नहीं देते थे। इस बात को लेकर आदिवासी समाज ने चक्काजाम तक किया था। उनकी मौत के पीछे कौन दोषी है? दोषी के खिलाफ क्या कार्यवाही हुई? विजय शर्मा ने कहा कि इस प्रकरण को फर्जी कहना ठीक नहीं। उनकी मौत की जांच हुई, जिस पर प्रतिवेदन भी प्रस्तुत हुआ है। गिरफ्तार केवल उन्हें ही नहीं किया गया था, बल्कि वन अधिकार पट्टे की मांग को लेकर हुए आंदोलन में 8 लोग गिरफ्तार हुए थे। 12 अक्टूबर 2025 को उन्हें कांकेर जेल लाया गया था। उन्हें शुगर थी। इलाज के लिए उन्हें कांकेर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया था।

उरला थाना क्षेत्र पुलिस कमिश्नर व एस.पी. ग्रामीण में विभाजित-विधानसभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दी जानकारी

रायपुर। विधानसभा में आज उप मुख्यमंत्री (गृह) विजय शर्मा को ओर से जानकारी सामने आई कि राजधानी रायपुर के सीमावर्ती क्षेत्र उरला के एक हिस्से का पर्यवेक्षण पुलिस कमिश्नर तथा दूसरे का हिस्से का पुलिस अधीक्षक ग्रामीण करेंगे। कांग्रेस विधायक भोलाराम साहू का लिखित में सवाल था कि क्या पुलिस कमिश्नर प्रणाली से उरला थाना का पर्यवेक्षण पुलिस कमिश्नर ही करेंगे या पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भी करेंगे? क्या यह सही है कि कुछ नगरीय क्षेत्रों को कमिश्नर के क्षेत्राधिकार से बाहर रखा गया है और कुछ पंचायतों को कमिश्नर के क्षेत्राधिकार में रखा गया है?

पटेल ने किया राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का ऐलान

श्रीमती सुनेत्रा पवार बनीं एनसीपी की नई बॉस....!

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत हुई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता अजित पवार के निधन के बाद खाली हुए पार्टी अध्यक्ष के पद को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर अब पूर्णविराम लग गया है। उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने मुंबई के वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में यह बड़ी घोषणा की। उन्होंने बताया कि सुनेत्रा पवार इस पद के लिए

एकमात्र उम्मीदवार थीं और पूरे देश से आए प्रतिनिधियों ने हाथ उठाकर सर्वसम्मति से उनके नाम का समर्थन किया। 28 जनवरी 2026 को बारामती में एक दुखद विमान दुर्घटना में अजित पवार के निधन के बाद से ही पार्टी में नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज थीं।

इन्होंने गोली चलाई है, सजा मिलेगी

एनसीईआरटी विवाद पर भड़के सीजेआई.....सरकार की माफी ठुकराई और किताब पर लगाया फुल बैन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की कक्षा 8 की विवादित किताब पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए उस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने केंद्र सरकार और एनसीईआरटी की बिना शर्त माफी को स्वीकार करने से साफइनकार कर दिया और इसे न्यायपालिका को बदनाम करने की एक 'गहरी साजिश' करार दिया। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब में 'ज्यूडिशियल करप्शन' वाले अध्याय पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट का पारा सातवें आसमान पर रहा। जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी की ओर से 'बिना शर्त माफी' मांगी, तो सीजेआई सूर्यकांत ने उसे सीधे तौर पर खारिज कर दिया। सीजेआई ने बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा, उन्होंने गोली चलाई है, आज न्यायपालिका लहूलुहान है। अदालत ने कहा कि यह महज कोई 'अनजानी भूल' नहीं बल्कि संवैधानिक संस्था की गरिमा को गिराने का एक 'कैलकुलेटेड मूव' है। जस्टिस बागची ने भी चिंता जताई कि डिजिटल युग में इस सामग्री का प्रसार पहले ही व्यापक रूप से हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कड़ा एक्शन लेते हुए विवादित किताब की फिजिकल और डिजिटल- दोनों तरह की प्रतियों पर तत्काल प्रभाव से बैन लगा दिया है। कोर्ट ने अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए हैं: सुनवाई के दौरान जब एसजी ने कहा कि जिन लोगों ने यह अध्याय तैयार किया है,

उन्हें अब इस काम से नहीं जोड़ा जाएगा, तो सीजेआई ने इसे 'मामूली परिणाम' बताते हुए ठुकरा दिया। उन्होंने दो टूक कहा, नाम बताओ, एक्शन हम लेंगे। चीफ जस्टिस ने जोर देकर कहा कि वे इस मामले को बंद नहीं करेंगे और इसके पीछे छिपे किरदारों को सजा दिलाना उनका कर्तव्य है। अदालत ने एनसीईआरटी के डायरेक्टर और स्कूल शिक्षा सचिव को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है। कोर्ट जानना चाहता है कि आखिर किसकी मंजूरी से न्यायपालिका की छवि खराब करने वाला यह पक्षपाती कथानक बच्चों की कोमल आयु में पढ़ाया जा रहा था। सीजेआई ने यह भी चेतावनी दी कि ऐसा कृत्य 'क्रिमिनल कंटेम्प्ट' की श्रेणी में आता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में रेखांकित किया कि संविधान निर्माताओं ने शासन के तीनों स्तंभों की स्वायत्तता सुनिश्चित की थी। कोर्ट ने कहा कि छात्रों को एकतरफा और नकारात्मक जानकारी देना न केवल अनुचित है, बल्कि यह उनमें न्यायपालिका के प्रति बुनियादी गलतफहमियां पैदा करता है।

अविमुक्तेश्वरानंद मामले पर बड़ा अपडेट

अब मेडिकल रिपोर्ट में नाबालिग बटुकों से यौन शोषण की पुष्टि...

नई दिल्ली/ एजेंसी

ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के लिए कानूनी मुश्किलें अब और गंभीर हो गई हैं। नाबालिग बटुकों के यौन शोषण के मामले में पुलिस की मेडिकल रिपोर्ट में चौंकाने वाली पुष्टि हुई है, जिसके बाद अब उनकी गिरफ्तारी की संभावना प्रबल हो गई है। प्रयागराज के झूंसी थाने में दर्ज यौन शोषण के मामले में बुधवार को पुलिस ने दो पीड़ित नाबालिग बच्चों का मेडिकल परीक्षण कराया था। सूत्रों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेडिकल रिपोर्ट में दोनों नाबालिग बच्चों के साथ कुकर्म होने

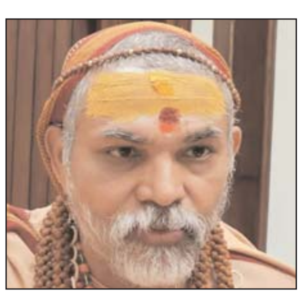

की पुष्टि हुई है। इस रिपोर्ट को अब केस डायरी में एक महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में शामिल किया गया है। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी ने भी दावा किया है कि रिपोर्ट में यौन शोषण के संकेत पूरी तरह स्पष्ट हैं, जिससे आरोपी स्वामी और उनके सहयोगियों के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसना तय माना जा रहा है। यह पूरा मामला तब शुरू हुआ जब एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट के आदेश पर झूंसी पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी और तीन अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। पुलिस की अब तक की विवेचना में दो अन्य आरोपियों, अरविंद मिश्रा और प्रकाश उपाध्याय, के नाम भी सामने आए हैं। आरोप है कि माघ मेले के दौरान दो बटुकों के साथ यौन शोषण की घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस अब आश्रम के अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी सघनता से जांच कर रही है।

प्रेमी जोड़े ने किया सुसाइड, पेड़ पर फंदे से लटके मिले दोनों के शव

शिवपुरी । मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में आज एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। रेलवे पटरी के पास एक पेड़ पर युवक और युवती के शव लटके मिले। मृतकों की पहचान जितेंद्र धाकड़ और सोनम आदिवासी के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों के बीच प्रेम संबंध चल रहे थे। बताया जा रहा है कि सोनम नाबालिग होने के कारण जितेंद्र पहले भी इस संबंध से जुड़े मामले में जेल जा चुका था। हाल ही में वह जेल से रिहा होकर लौटा था। मृतिका सोनम वर्तमान में कोलारस के पास गुगवारा में अपने नाना के घर रह रही थी। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एनसीईआरटी विवाद पर शिक्षा मंत्री की सफाई

न्यायपालिका का अपमान करने की कोई मंशा नहीं-धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली/ एजेंसी

एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका से जुड़े कथित विवादित अध्याय को लेकर देश में उठे राजनीतिक और न्यायिक विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफकहा कि जो कुछ हुआ उससे उन्हें गहरा दुख है और सरकार या शिक्षा मंत्रालय की ओर से न्यायपालिका का अपमान करने की कोई मंशा नहीं थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा और जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई भी होगी। धर्मेंद्र प्रधान ने

कहा कि सरकार न्यायपालिका का सर्वोच्च सम्मान करती है और किसी भी शैक्षणिक सामग्री के जरिए संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी सामग्री तैयार करने की प्रक्रिया की जांच की जा रही है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अध्याय तैयार करने में शामिल लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य जागरूकता फैलाना है, संस्थाओं को बदनाम करना नहीं। यह मामला एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की किताब से जुड़ा है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित एक हिस्सा शामिल किया गया था। इस सामग्री को लेकर वरिष्ठ वकीलों और कई कानूनी विशेषज्ञों ने आपत्ति जताई थी।

पीएम मोदी-नेतन्याहू के बीच वार्ता

मानवता कभी भी युद्ध और संघर्ष की शिकार नहीं बननी चाहिए

यरूशलम। संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी अपने इस्राइल के एतिहासिक दौरे पर हैं। जहां गुरुवार को उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक बातचीत की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और कृषि जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे यानी भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) और आई2यू2 समूह (भारत-इस्राइल-यूएई-अमेरिका समूह) के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा होने की संभावना जताई गई। इस दौरान भारत और इस्राइल ने आपसी संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई बैठक के बाद किए गए। दोनों नेताओं ने नवाचार (इनोवेशन), कृषि, तकनीक और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। इन समझौतों का मकसद नई तकनीकों का विकास, खेती में आधुनिक तरीकों को अपनाना और स्टार्ट-अप व शोध के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाना है। इसके बाद इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-इस्राइल के रिश्तों को नई ऊंचाई देने का एलान किया। पीएम मोदी ने नमस्कार और शलोम कहकर अपने

संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि नौ साल पहले उन्हें पहली बार इस्राइल आने का मौका मिला था। अब दोबारा यहां आना उनके लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि उन्हें 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' से सम्मानित किया गया है। पीएम मोदी ने यह सम्मान भारत के 140 करोड़ लोगों और भारत-इस्राइल की दोस्ती को समर्पित किया। बैठक के दौरान दोनों देशों ने कई बड़े फैसले किए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इस्राइल ने क्रिटिकल और उभरती प्रौद्योगिकी साझेदारी स्थापित करने का निर्णय लिया है। इस्राइल में (यूपीआई) के उपयोग को लेकर भी समझौता हुआ है, जिससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने जोर देते हुए कहा कि दोनों देश सिविल न्यूक्लियर एनर्जी (शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा) और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाएंगे। खेती को आधुनिक और भविष्य के अनुकूल बनाने के लिए मिलकर नई तकनीकें विकसित की जाएंगी। साथ ही 'विलेज ऑफएक्सीलेंस' यानी उत्कृष्ट गांव विकसित करने पर भी काम किया जाएगा। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि दोनों देश जल्द ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफ्टीए) को अंतिम रूप देंगे। सबसे अहम घोषणा यह रही कि भारत और इस्राइल ने अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देने का ऐतिहासिक फैसला किया है।

आतंकवाद के खिलाफ मोदी का सख्त संदेश

इस दौरान पीएम मोदी ने शांति और आतंकवाद के खिलाफसख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सोच साफहै मानवता कभी भी युद्ध और संघर्ष की शिकार नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि गाजा शांति योजना ने शांति की दिशा में एक नया रास्ता खोला है और भारत ने ऐसे प्रयासों का समर्थन किया है। आगे भी भारत सभी देशों के साथ बातचीत और सहयोग जारी रखेगा। आतंकवाद पर उन्होंने दो टूक कहा कि दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत और इस्राइल मिलकर आतंकवाद और उसके समर्थकों के खिलाफलड़ाई जारी रखेंगे। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देश भारत-मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) और आई2यू2 समूह (आई2यू2) जैसे मंचों पर साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे।

C M Y K

सुकमा में बदलती तस्वीर : हथियार छोड़ अब हाथों में हुनर और उम्मीद

नवजीवन की रोशनी : पुनर्वास की राह पर 70 सपनों को मिला डिजिटल सहारा

सुकमा। कभी जंगलों की खामोशी में भटके कदम अब विकास की मुख्यधारा की ओर दृढ़ता से बढ़ रहे हैं। छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील और दूरदर्शी पुनर्वास नीति ने नक्सल प्रभावित अंचलों में उम्मीद की नई किरण जगा दी है। विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन ने एक बार फिर साबित किया है कि सही मार्गदर्शन और विश्वास से जीवन की दिशा बदली जा सकती है। जिला मुख्यालय स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र में आयोजित एक गरिमामय कार्यक्रम में 70 आत्मसमर्पित युवाओं को अत्याधुनिक 5जी स्मार्टफोन और 31 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट प्रदान की गई। कार्यक्रम में कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण एवं जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर उपस्थित रहे। अधिकारियों ने युवाओं से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

डिजिटल दुनिया से जुड़ते कदम – युवाओं को प्रदान किए गए सैमसंग गैलेक्सी-ए 06 5जी स्मार्टफोन केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि नई शुरुआत का प्रतीक बने। 50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा और 5000 mAh फास्ट चार्जिंग बैटरी से लैस ये मोबाइल अब उन्हें डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कौशल विकास और शासकीय योजनाओं की जानकारी से सीधे जोड़ेंगे। प्रशासन का स्पष्ट संदेश था–पुनर्वास का अर्थ केवल आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की ओर ठोस कदम है।

हाथों में हुनर, जीवन में सम्मान – 31 युवाओं को मेसन किट देकर निर्माण कार्यों में रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा गया। जिन हाथों में कभी बंदूक थी, आज वे ईंट-गारा से अपने और समाज के भविष्य की नींव रखेंगे। कलेक्टर अमित कुमार ने कहा, हमारा प्रयास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है। इन युवाओं को सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन देना हमारी प्राथमिकता है। कौशल, शिक्षा और रोजगार से जोड़कर हम उन्हें मुख्यधारा में मजबूती से स्थापित करना चाहते हैं।

बदलती जिंदगी की सच्ची कहानी – प्रतापगिरी, तोंगपाल निवासी भीमा ने भावुक स्वर में कहा कि 15 वर्षों तक संगठन से जुड़े रहने के बाद पुनर्वास का निर्णय उनके जीवन का सबसे बड़ा और सही फैसला साबित हुआ। यहां बेहतर आवास, भोजन और प्रशिक्षण की सुविधा मिल रही है। राजमिस्त्री का प्रशिक्षण पूरा कर लिया है और आज 5जी मोबाइल भी मिला है। अब जिंदगी में नई उम्मीद है, उन्होंने कहा। सिंघनपारा, बड़े सेट्टी निवासी बुधरा ने बताया कि जंगल के कठिन जीवन की तुलना में पुनर्वास केंद्र का जीवन कहीं अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक है। प्रशासन ने आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड और जॉब कार्ड बनवाकर उन्हें योजनाओं से जोड़ा है। अब हमें लगता है कि हम भी इस समाज का हिस्सा हैं, उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

विश्वास, विकास और समरसता की मिसाल – यह पहल साबित करती है कि पुनर्वास नीति केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि विश्वास और परिवर्तन की जीवंत कहानी है। सुकमा की धरती पर अब बंदूक की जगह किताब, कौशल और मोबाइल ने ले ली है। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मधु तेता, डीएसपी मोनिका श्याम, नोडल अधिकारी कैलाश कश्यप सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया भूमि सर्वेक्षण कार्य के प्रगति का अवलोकन

नारायणपुर। जिले में पिछले दो माह से चल रहे राजस्व सर्वेक्षण अभियान के तहत कलेक्टर नम्रता जैन ने ग्राम पंचायत कंदाड़ी के आश्रित गांव काविड़वर का दौरा कर सर्वेक्षण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसान कांडोराम दुग्गा के खेत में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य का अवलोकन करते हुए राजस्व अमले को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत कंदाड़ी के सभी आश्रित ग्राम कुरूषनार, जिवलापदर, कोडोली, गुमियाबेड़ा, घोड़ागांव, आरसेगढ़, आलवर, गुमियापाल और जामपदर के किसानों के खेतों का शीघ्र एवं सुव्यवस्थित सर्वेक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता और शुद्धता बनाए रखना प्राथमिकता है, ताकि किसानों को भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों के नेतृत्व में तीन माह के भीतर ग्रामवासियों के साथ सहमति प्राप्त करते हुए सर्वेक्षण कार्य कराए जाने के लिए कार्य योजना तैयार करने उपस्थित राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किये। जिले में कुल 419 राजस्व ग्राम हैं, जिनमें से 179 ग्रामों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। अब तक हुए सर्वेक्षण के बाद ग्राम हुच्चाकोट, गोर्रा, कुमगांव, हितुलवाड़, कातुलबेड़ा और मुरहापदर के अंतिम अभिलेख भुईयां पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। 02 ग्रामो कोडोली एवं कुंदला के सर्वे अभिलेख का अंतिम प्रकाशन किया गया है। शेष निर्माणाधीन ग्रामों में मौका सत्यापन के उपरांत अंतिम अभिलेखों का प्रकाशन किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान ग्राम काविड़वर के ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी रखी।

बस्तर संभागायुक्त ने केशकाल में पीएम श्री विद्यालय का किया निरीक्षण

कोंडागांव। बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह ने मंगलवार को पीएम श्री विद्यालय केशकाल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालयीन स्टाफ की बैठक लेकर शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की और संसाधनों की उपलब्धता और आवश्यकता की जानकारी ली। उन्होंने पीएम श्री योजना के निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु संबंधित प्राचार्य को निर्देशित किया।

साथ ही उन्होंने विद्यालय में शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति जल्द करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया और विद्यार्थियों हेतु कम्प्यूटर की व्यवस्था करने तथा सभी स्टाफ का ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, एसडीएम आकांक्षा नायक, जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, डीएमसी ईमेल बघेल सहित प्राचार्य और

देवपुर में नेचर कैंपिंग का शुभारंभ इको पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बलौदाबाजार। वनमण्डल बलौदाबाजार अंतर्गत वन परिक्षेत्र देवपुर स्थित इको पर्यटन नेचर कैंप मड हाउस का औपचारिक लोकार्पण किया गया। यह नेचर कैंप प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित किया गया है जिसमें स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक निर्माण शैली का समावेश किया गया है। मड हाउस की स्थापना का उद्देश्य प्रकृति के निकट पर्यटन अनुभव प्रदान करना, पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देना तथा स्थानीय समुदाय को आय के स्थायी अवसर उपलब्ध कराना है। इस पहल के माध्यम से देवपुर क्षेत्र में ईको-पर्यटन गतिविधियों को सशक्त करने, ग्रामीणों की सहभागिता बढ़ाने एवं रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस पहल से स्थानीय समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ इको-पर्यटन गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। इसी क्रम में बारनवापारा अभ्यारण्य के पर्यटन ग्राम में नव निर्मित

रिसेप्शन भवन का भी शुभारंभ प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी एवं जैव विविधता) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक अरुण कुमार पांडे की उपस्थिति में किया गया। यह नया रिसेप्शन परिसर बारनवापारा की विशिष्ट पहचान, समृद्ध जैव विविधता एवं प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित करने की दृष्टि से विकसित किया गया है। परिसर में स्थानीय वनस्पतियों, वन्यजीवों एवं पर्यटन संभावनाओं को समाहित करते हुए एक आकर्षक एवं उपयोगी स्वागत केंद्र का निर्माण किया गया है, जिससे आगंतुकों को अभ्यारण्य की पारिस्थितिक विशेषताओं की समग्र जानकारी प्राप्त हो सके। प्रधान मुख्य वन संरक्षक' अरुण कुमार पांडे ने कहा कि इको-पर्यटन आधारित ऐसे प्रयास न केवल प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को सुदृढ़ करते हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान वनमण्डलाधिकारी धम्मशील गणवीर, महिला स्व सहायता समूह देवपुर, नेचर कैंप इको-पर्यटन संचालन समिति के सदस्य, वन प्रबंधन समिति देवपुर के अध्यक्ष एवं सदस्य, बारनवापारा अभ्यारण्य के अधिकारीगण, परिक्षेत्र अधिकारी देवपुर सहित समस्त अधीनस्थ अधिकारी एवं वनकर्मी उपस्थित रहे।

वन विभाग ने दिया दबिश, लाखों का सौगान लकड़ी चिरान किया जब्त

देवभोग। देवभोग वन परिक्षेत्र मुख्यालय से महज 2 किलोमीटर दूर राजस्व भूमि में सागौन पेड़ों की बड़े पैमाने पर अवैध कटाई और चिरान का मामला सामने आया है लंबे समय से खेत के भीतर चोरी-छिपे सागौन की लकड़ी काटकर चिरान बनाकर बेचे जाने की सूचना पर वन अमले ने अचानक दबिश दी। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके पर आरोपियों को सागौन लठ्ठों की ढुलाई करते और चिरान बनाते हुए रंगे हाथ पकड़ा वन विभाग ने क्षेत्र की लगभग 200 मीटर परिधि में सर्च ऑपरेशन चलाया, जहां सैकड़ों सागौन पेड़ों के कटे होने के निशान देखकर अधिकारी भी सकते में आ गए मौके से 18 नग सागौन लठ्ठा, 2 नग तैयार चिरान और कटाई में प्रयुक्त आरा मशीन जब्त की गई है। वन विभाग ने तीन लोगों को आरोपी बनाकर वन सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में यह मामला राजस्व भूमि पर बिना अनुमति

इमारती लकड़ी की कटाई से जुड़ा पाया गया है ऐसे में अब राजस्व विभाग भी अलग से जांच और वैधानिक कार्रवाई की तैयारी में जुट गया है। वन अधिकारियों का कहना है कि अवैध कटाई में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भू-स्वामी को नोटिस देंगे – रेंजर अश्वनी कुमार मुर्चुलिया ने बताया कि 0.708 घन मीटर के 18 नग लठ्ठा और 0.024 घन मीटर के 2 नग चिरान समेत आरा जब्त किया गया है। जब्त इमारती लकड़ी की सरकारी कीमत 40526 आंकी गई है खेतों के आसपास कटे पेड़ों के ठूंठ की गिनती कर भूस्वामी को भी नोटिस जारी कर, काटे गए पेड़ के लिए अनुमति की जानकारी ली जाएगी।

एक हजार पेड़ काट डाले – बलभद्र जिस खेत में अवैध कटाई कर चिरान बनाता था, उसके 200 मीटर की परिधि में सागौन के सैकड़ों ठूंठ नजर आए एक साल में 150 से ज्यादा सागौन पेड़, तो 5 साल में 1500 इमारती लकड़ी की अवैध कटाई का अनुमान है।

समय-सीमा बैठक में सम्पूर्णता अभियान की गहन समीक्षा

कोण्डागांव। जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत अविनाश भोई द्वारा सम्पूर्णता अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों के जिला अधिकारी, खंड स्तरीय अधिकारी एवं विभिन्न इंडिकेटर्स के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर ने अभियान अंतर्गत निर्धारित सभी लक्ष्यों एवं संकेतकों की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि प्रत्येक विभाग दैनिक गतिविधियों के अनुरूप कार्य करते हुए सभी इंडिकेटर्स को निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता नियमित मॉनिटरिंग, मैदानी अमले की सक्रियता एवं विभागीय समन्वय पर निर्भर करती है, अतः सभी अधिकारी पूरी गंभीरता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

सीईओ जिला पंचायत ने भी निर्देश दिए कि जमीनी स्तर पर संचालित गतिविधियों की प्रतिदिन रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए तथा की गई कार्यवाही की सम्पूर्ण और समयबद्ध एंट्री पोर्टल में अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए, जिससे प्रगति की वास्तविक स्थिति स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर शेष लक्ष्यों की पूर्ति हेतु विशेष अभियान चलाएं तथा प्रत्येक गतिविधि की फोटो, प्रगति विवरण एवं आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराएं। अंत में कलेक्टर ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि सम्पूर्णता अभियान को जन-जन तक पहुंचाते हुए जिले को निर्धारित सभी मानकों में उत्कृष्ट स्थान दिलाने हेतु सतत प्रयास जारी रखें।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आज एवं कल

कोंडागांव। राज्य शासन के मंशानुरूप ग्रामीणजनों की मांगो और समस्याओं त्वरित निराकरण के लिए 26 फ़रवरी को सुबह 10 बजे से माकड़ी विकासखंड अंतर्गत ग्राम हीरापुर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी प्रकार 27 फरवरी को सुबह 10 बजे से केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम जामगांव में और दोपहर 12 बजे से बड़ेराजपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम हरवेल में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शिविर में विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिला प्रशासन द्वारा ग्राम वासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन

बलौदाबाजार। स्थानीय शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया, आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टंकराम वर्मा जी- कैबिनेट मंत्री राजस्व एवं आपदा प्रबंधन युवा कल्याण उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन,विशिष्ट अतिथि अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिका बलौदाबाजार और अन्य अतिथि गणों सहित समस्त अध्यापक व छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा दीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती जी की पूजा अर्चना कर किया गया। आयोजित कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। केबिनेट मंत्री टंक राम वर्मा जी के द्वारा वार्षिक खेल प्रतियोगिता के लिए अलग-अलग कक्षाओं में प्रथम श्रेणी प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र व राशि प्रदाय किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टंकराम वर्मा के द्वारा अपने उदबोधन में कहा गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के अलावा छात्राओं को कला व कौशल में पारंगत होने से छात्राएं हर क्षेत्र में अपना भविष्य बना सकती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास होगा, शिक्षा का महत्व सदैव से रहा है, साथ ही छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। वार्षिकोत्सव के अवसर पर विशिष्ट अतिथि अशोक जैन अध्यक्ष नगरपालिका ने कहा कि छात्राएं हर क्षेत्र में आज आगे है व छात्राओं के बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई, साथ ही शिक्षा के साथ साथ खेल को भी महत्वपूर्ण बताते हुए स्वावलम्बी जीवन आज के समय मे अत्यंत आवश्यक है, साथ ही उत्कृष्ट प्रतिभा से नगर व प्रदेश का नाम रोशन होता है। इस अवसर पर छात्राओं के द्वारा स्वयं से तैयार व्यंजनों की प्रशंसा करते हुए स्टालों का अवलोकन किया गया व शुभकामनाएं दी गई, वार्षिक उत्सव आयोजन के अवसर पर महाविद्यालय पर प्राचार्य के द्वारा वर्ष भर में हुए कार्यक्रम का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा विभिन्न राज्य की कला एवं संस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

राजेंद्र सिंह चौहान भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ दंतेवाड़ा का जिला संयोजक नियुक्त

किरंदुल। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश कार्यालय से जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार दंतेवाड़ा जिले के किरंदुल निवासी एवं पूर्व शिक्षक राजेंद्र सिंह चौहान को भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ, दंतेवाड़ा का जिला संयोजक नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से की गई है। राजेंद्र सिंह चौहान लंबे समय तक शिक्षा क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और एक समर्पित शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय भागीदारी के कारण स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान एक जागरूक एवं कर्मठ सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में रही है। वे विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। भाजपा संगठन की दृष्टि से यह नियुक्ति

महत्वपूर्ण मानी जा रही है। शिक्षा प्रकोष्ठ का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों, विद्यार्थियों तथा शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच संगठन की नीतियों और विचारों का समन्वय स्थापित करना है। साथ ही शैक्षणिक मुद्दों को संगठन तक पहुँचाना और शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन करना भी प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी होती है।

छत्तीसगढ़ बजट 2026-27 समावेशी विकास और अधोसंरचना पर जोर, चार्टर्ड अकाउंटेंट मनीष सोनी ने दी विस्तृत जानकारी

कोण्डागांव । कोण्डागांव के चार्टर्ड अकाउंटेंट मनीष सोनी ने राज्य के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह बजट दीर्घकालिक विकास, सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने 24 फरवरी को छत्तीसगढ़ विधानसभा में 1.72 लाख करोड़ का बजट पेश किया, जो संकल्प थीम पर आधारित है और विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के विजन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। मनीष सोनी के अनुसार इस बजट में राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। बजट में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर 12.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि राजकोषीय घाटा नियंत्रित सीमा के भीतर रखा

गया है। शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि और स्वास्थ्य जैसे प्रमुख क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर वित्तीय आवंटन दिया गया है, जिसमें स्कूल शिक्षा विभाग को सर्वाधिक राशि प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि इस बजट की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा रानी दुर्गावती योजना है, जिसके तहत बालिकाओं को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यटन, खेल, अधोसंरचना और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए पांच नए फ्लैगशिप मिशन शुरू करने का निर्णय लिया है, जिन पर आगामी वर्षों में नियमित निवेश किया जाएगा। विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों के विकास के लिए अलग से प्रावधान किए गए हैं। शिक्षा सुविधाओं को मजबूत करने के लिए एजुकेशन सिटी की स्थापना, इंद्रावती नदी पर बैराज निर्माण और डिजिटल कनेक्टिविटी विस्तार जैसे कार्य प्रस्तावित हैं, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा, सिंचाई और संचार व्यवस्था बेहतर होने की उम्मीद है। मनीष सोनी ने बताया कि किसानों और आम जनता को राहत देने के लिए ऊर्जा सब्सिडी, ग्रामीण आवास योजना तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त बजट रखा गया है। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए औद्योगिक पार्क स्थापित करने की योजना बनाई गई है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। महिलाओं को संपत्ति पंजीयन शुल्क में छूट और सरकारी कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा जैसे प्रावधान भी शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास का बजट : हर वर्ग को साधने वाला दूरदर्शी कदम : दीपिका शोरी

सुकमा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी ने इसे प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक दूरदर्शी और संतुलित बजट बताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट समावेशी विकास की भावना से तैयार किया गया है, जिसमें प्रदेश के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है। दीपिका शोरी ने कहा कि ज्ञान और गति के बाद इस वर्ष संकल्प थीम पर आधारित बजट प्रदेश की प्रगति के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स ङ्क समावेशी विकास, ़ ङ्क अधोसंरचना, ह ङ्क निवेश, च ङ्क कुशल मानव संसाधन, ़ ङ्क अन्त्योदय, रु ङ्क आजीविका तथा क्क ङ्क पॉलिसी से परिणाम तक की अवधारणा प्रदेश को नई दिशा देने वाली है। उन्होंने विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा अंचल के लिए किए गए प्रावधानों का स्वागत किया। बजट में बस्तर क्षेत्र के लिए 100 करोड़ रुपये का

निवेश प्रावधान, बस्तर-सरगुजा बस सेवा के लिए 10 करोड़ रुपये, बस्तर विकास प्राधिकरण हेतु 75 करोड़ रुपये तथा मेडिकल कॉलेज के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान क्षेत्रीय विकास को नई गति देगा। अबूझमाड़-जगरगुंडा में दो एजुकेशन सिटी की घोषणा को उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम बताया। इसी प्रकार इंद्रावती में मटनार और देउरगांव में बैराज निर्माण हेतु 68 करोड़ रुपये की स्वीकृति तथा महतारी वंदन योजना के लिए 8200 करोड़ रुपये का प्रावधान महिलाओं के सशक्तिकरण और किसानों की समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण है। दीपिका शोरी ने रानी दुर्गावती योजना की घोषणा का विशेष स्वागत करते हुए कहा कि बीपीएल परिवार में जन्म लेने वाली बेटियों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर डेढ़ लाख रुपये की सहायता प्रदान करना महिला सशक्तिकरण और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में सराहनीय पहल है।उन्होंने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के विकास का रोडमैप है।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने परिवहन मंत्री कश्यप को घेरा

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित छत्तीसगढ़ में सुगम यातायात की नीति को लेकर एवं सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती मौतों को लेकर आज सदन में सत्ता पक्ष के सुनील सोनी, अजय चन्द्राकर और अनुज शर्मा ने सरकार को घेरा और पूछा कि सड़क दुर्घटना को रोकने और मुआवजा का क्या-क्या प्रावधान है, इसकी जानकारी दें। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि अभी तक सड़क दुर्घटनाओं में 6898 लोगों की मौत हुई, जिसमें से 76 लोगों को मुआवजा दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायल लोगों के उपचार के लिए 7 जिले में विशेष व्यवस्था की गई है। रायपुर के विधायक सुनील सोनी ने भाटागांव रिंग रोड में सड़क दुर्घटनाओं के बारे में चिंता जताई उन्होंने ने कहा कि राजधानी में सुगम यातायात और सड़क दुर्घटनाओं को लेकर कार्यवाही की जा रही है। परिवहन मंत्री ने बताया कि फाफाडीह चौक, जयस्तम्भ चौक सहित कई प्रमुख चौकों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इसके अलावा लेफ्टर्न की व्यवस्था की गई है। प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायलों का उपचार किया जाता है। भाजपा के अजय चन्द्राकर ने कहा कि एक निगरानी समिति बनाई गई थी, धारा 149 में इसकी चर्चा भी हुई थी, लेकिन क्रियान्वयन नहीं हुआ। उन्होंने बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। परिवहन मंत्री ने बताया कि ब्लैक स्पॉट खत्म किए जा रहे हैं, इसके अलावा ड्राइविंग लाइसेंस का अनुमोदन किया जा रहा है। भाजपा के अनुज शर्मा ने भी परिवहन नियमों का पालन नहीं करने के कारण सड़क दुर्घटना पर चिंता जताई। सभापति धरमजीत सिंह ने सदस्यों से आग्रह किया कि एक-एक करके प्रश्न पूछे। सड़क दुर्घटनओं के रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है।

संकल्प से सिद्धि की दिशा में बजट, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने बताया दूरदर्शी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने इसे राज्य के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार किया गया है, जो समावेशी विकास, अधोसंरचना विस्तार और निवेश को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। किरण देव ने कहा कि बजट राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने, मानव संसाधन को मजबूत करने और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की सोच को दर्शाता है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप बताते हुए छत्तीसगढ़ को 2047 तक विकसित राज्य बनाने की दिशा में अहम बताया। उन्होंने आगे कहा कि बजट में कृषि और सिंचाई क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे किसानों को लाभ मिलेगा। वहीं युवाओं के कौशल विकास, स्वरोजगार और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के उन्नयन पर जोर दिया गया है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विकास और ग्रामीण क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाने के लिए किए गए प्रावधानों की भी उन्होंने सराहना की। विशेष रूप से बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास से जुड़े प्रावधानों को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। किरण देव ने कहा कि यह बजट केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य के समग्र विकास और हर वर्ग के उत्थान का रोडमैप प्रस्तुत करता है।

चरणदास महंत ने बजट पर उठाए सवाल, सरकार ने बताया विकासोन्मुख

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पेश किए गए वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कई मुद्दों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह बजट गति का नहीं, बल्कि दुर्गति का बजट है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि बजट में युवाओं, महिलाओं और रोजगार से जुड़े विषयों पर अपेक्षित स्पष्टता नहीं दिखती और कई घोषणाएं जमीनी स्तर पर असरकारी नहीं नजर आतीं। वहीं राज्य सरकार का कहना है कि संकल्प थीम पर आधारित यह बजट प्रदेश के समग्र विकास, अधोसंरचना, निवेश और जनकल्याण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सरकार का दावा है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और विभिन्न वर्गों को लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर बजट को लेकर पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आए हैं, जिससे इस पर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है।

बजट पर सियासत तेज, सुशील आनंद शुक्ला ने जताई निराशा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बजट 2026-27 को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं लगातार सामने आ रही हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इसे आम जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बताया और विभिन्न क्षेत्रों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बजट में रोजगार, शिक्षा, कृषि और उद्योग से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित प्रावधान स्पष्ट रूप से नजर नहीं आते।

विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित छत्तीसगढ़ की ओर तेजी से बढ़ रहा प्रदेश

व्यापार एवं उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल

■ मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय कंफेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है और दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है। उन्होंने बताया कि इस बजट में विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा क्षेत्र पर किया गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र केरल राज्य से भी बड़ा क्षेत्र है और प्राकृतिक

रूप से अत्यंत सुंदर है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है, लेकिन चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व तथा हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस के कारण नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में नक्सली सक्रिय थे, लेकिन विगत दो वर्षों में हमारे जवानों ने जिस तरह से नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी है, उसमें कई बड़े माओवादी मारे गए हैं तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इससे राज्य अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि माओवाद के कारण इन क्षेत्रों में समुचित विकास नहीं हो पाया था, जिसकी भरपाई के लिए अब सरकार इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष फोकस कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि सरकार ने अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी के लिए बजट में प्रावधान किया है। साथ ही क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने और फॉरेस्ट प्रोड्यूस के वैल्यू एडिशन पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बस्तर और सरगुजा दोनों संभागों में सैकड़ों प्रकार के वन उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनका मूल्य संवर्धन कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह बजट पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए है और प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं तथा उद्योग नीति के तहत काटे जाने वाले पेड़ों की भरपाई भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण से की जा रही है।

आरोपी पति ने दोस्तों के साथ मिलकर की थी पत्नी की हत्या

रायपुर। संवाददाता

जिले के डोंगरगढ़ थानाक्षेत्र के ग्राम भैंसरा स्थित बाबा आम बगीचा में मिली महिला की लाश के मामले को पुलिस ने 48 घंटे में सुलझाया लिया है। मृतका का पति के चरित्र पर संदेह करता था जिसके चलते उसने अपने दो सहयोगियों के साथ मिलकर हत्या की थी और पत्थर से महिला के सिर को कुचलकर पहचान छिपाने की कोशिश की थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि दिनांक 22-02-2026 को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम भैंसरा, बाबा आम बगीचा में नदी के पास एक अज्ञात महिला उम्र लगभग 35-40 वर्ष की किसी अज्ञात आरोपी द्वारा पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई है। सूचना पर थाना डोंगरगढ़ में धारा 103(1) 61 (2), 238 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना क्रम की सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई जिस पर प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डोंगरगढ़ केशरी नंदन नायक एवं अलेक्जेंडर किरो उप पुलिस अधीक्षक साइबर सेल द्वारा घटना स्थल पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के गंभीरता को देखते हुये टीम बनाकर जिसमें थाना प्रभारी डोंगरगढ़ निरीक्षक संतोष जायसवाल एवं साइबर सेल निरीक्षक विनय कुमार पम्मार के नेतृत्व में थाना डोंगरगढ़ स्टाफ एवं साइबर सेल राजनांदगांव की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल अज्ञात मृतक के संबंध में हरसंभव पतासाजी प्रारंभ की गई। पतासाजी के दौरान मृतिका की पहचान पुर्णिमा नेताम पति सुनील कुमार नेताम उम्र 35 वर्ष निवासी रविदास नगर/मायका ग्राम चौथना थाना डोंगरगढ़ राजनांदगांव के रूप में की गई। तकनीकी साक्ष्य एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपियों की पतासाजी के संबंध में उसके पति सुनील नेताम के संबंध में जानकारी एवं पूछताछ किया गया तो पता चला की घर पर नही है।

संत रविदास समाज ने राज्यसभा प्रत्याशी बनाने की मांग कांग्रेस भाजपा से की

रायपुर। राज्यसभा में रविदास समाज अनुसूचित जाति को प्रतिनिधित्व देने की मांग श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ छग ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव एवं कांग्रेस के प्रदेशध्यक्ष दीपक बैज से लिखित पत्र भेजकर की है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में शिरोमणि रविदास विश्व महापीठ छग के प्रदेश प्रवक्ता बुद्धेश्वर कुमार सोनवानी ने देते हुए बताया कि पिछले 26 वर्षों से समाज का एक भी व्यक्ति लोक सभा विधान सभा एवं राज्य सभा में प्रत्याशी नहीं बन पाया है। समाज की मांग है कि राज्यसभा के लिए संत रविदास समाज द्वारा पांच छह चयनित नामों से किसी एक नाम पर योग्यता के आधार पर विचार कर उसे प्रत्याशी बनाया जाए।

रायपुर को मिली विकास की नई उड़ान

बृजमोहन अग्रवाल ने संकल्प बजट को बताया ऐतिहासिक

रायपुर। संवाददाता

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2026-27 के 'संकल्प' बजट का हृदय से स्वागत किया है। उन्होंने इस बजट को जन-आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और राज्य के सर्वांगीण विकास का रोडमैप बताते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वित्त मंत्री ओ पी चौधरी को बधाई दी है। सांसद श्री अग्रवाल ने विशेष रूप से रायपुर लोकसभा क्षेत्र के लिए की गई घोषणाओं पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि राजधानी अब आधुनिकता और सुविधाओं के नए मानक स्थापित करेगी। बजट

की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि , कालीबाड़ी स्थित जिला अस्पताल में 200 बिस्तरों वाले मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल का निर्माण मातृ-शिशु स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही, रायपुर में नए होम्योपैथी कॉलेज की स्थापना से चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 25 करोड़ रुपये की लागत से मेगा परीक्षा केंद्र और राजधानी में 5 नए नालंदा पुस्तकालयों की स्थापना की जाएगी। सीजी-एसीई योजना (33 करोड़) से हमारे होनहार बच्चों को कोचिंग और करियर निर्माण में सीधी मदद मिलेगी। श्री अग्रवाल ने कहा कि, रायपुर लोकसभा के अंतर्गत शहरी कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना (200 करोड़) के तहत सड़कों और नालियों का कायाकल्प होगा।

मध्यप्रदेश से 10 हजार करोड़ रूपए छत्तीसगढ़ को अब तक क्यों नहीं....

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ कर्मचारी नेता वीरेन्द्र नामदेव ने राज्य विधानसभा में आज पेश किए गए आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के आम बजट पर अपनी त्वरित प्रतिक्रिया दी है । उन्होंने इस बजट को छत्तीसगढ़ सरकार के लाखों पेंशनरों के लिए बेहद निराशाजनक बताया है । श्री नामदेव ने यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा है कि वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी के बजट भाषण में पेंशनरों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर स्पष्टता का अभाव रहा, जिससे वरिष्ठ नागरिकों के इस वर्ग में निराशा व्याप्त है। प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में अपने बजट भाषण में कहा कि पेंशन भुगतान का डिजिटलीकरण नहीं होने से अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं। आठ माह के प्रयासों के बाद इसे पूर्ण रूप से डिजिटलीकृत किया गया है। इस प्रक्रिया में यह तथ्य सामने आया कि छत्तीसगढ़ सरकार को मध्यप्रदेश सरकार से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की राशि प्राप्त होना है, जो भविष्य में मिलने पर पेंशन भार में कमी लाएगी। इस पर श्री नामदेव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के पेंशनरों की यह राशि वर्ष 2018-19 से आज तक मध्य प्रदेश में लंबित है । राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49(6) के प्रावधान के तहत यह छत्तीसगढ़ को मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मिलनी चाहिए थी, जो नहीं मिली। नामदेव ने प्रश्न उठाया कि छत्तीसगढ़ के पेंशनरों की दस हजार करोड़ की इतनी बड़ी राशि की लेनदारी वर्षों तक मध्यप्रदेश में लंबित क्यों और कैसे रही? इसके लिए कौन जिम्मेदार है? यह राशि छत्तीसगढ़ सरकार को कब और किस प्रक्रिया से प्राप्त होगी? इन महत्वपूर्ण प्रश्नों पर छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी आज के बजट भाषण में नहीं दी गई, जिससे पेंशनरों में निराशा व्याप्त है। बढ़ती महंगाई के इस कठिन समय में राज्य के पेंशनरों को उम्मीद थी कि उन्हें केन्द्र के समान तीन प्रतिशत महंगाई राहत (डी. आर.)जुलाई 2025 से एरियर्स सहित मिलेगी, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार के आज पेश हुए बजट से उन्हें इसमें भी निराश होना पड़ा है । श्री नामदेव ने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में राज्य सरकार द्वारा शासकीय सेवकों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू करने तथा इसके लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किए ।

दुकानदार से गाली गलौच कर दी थी जान से मारने की धमकी,पुलिस की कार्यवाही

रायपुर। जिले के चौकी ऊपर कछार, थाना तपकरा क्षेत्र के सिंगीबहार में दुकानदार से गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देने का विडियो वायरल होने के बाद संज्ञान लेते हुए जशपुर पुलिस ने कार्यवाही की है। मिली जानकारी के अनुसार थाना तपकरा क्षेत्रांतर्गत दो व्यक्तियों के द्वारा एक दुकान में दुकानदार से गाली गलौज, व जान से मारने की धमकी देते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है, जिस पर डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ लाल उमेद सिंह के निर्देश पर जशपुर पुलिस के द्वारा वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए जांच करने पर पता चला कि उक्त वीडियो चौकी ऊपर कछार, थाना तपकरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम सिंगीबहार का है, जिसमें दो संदिग्ध व्यक्ति क्रमशः रवि गुप्ता व युधिष्ठिर गुप्ता, जो कि पिता पुत्र हैं, व उड़ीसा राज्य के सरहदी ग्राम ललकिडीह के निवासी हैं, जिनके द्वारा 24.02.26 के सुबह करीबन 11 बजे, रमेश कुमार साहू, उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम सिंगी बहार, चौकी ऊपर कछार, थाना तपकरा के ग्राम सिंगी बहार में स्थित दुकान में जाकर, गाली गलौज व जान से मारने की धमकी दी गई है। जशपुर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रार्थी रमेश कुमार साहू, उम्र 51 वर्ष, निवासी ग्राम सिंगी बहार, चौकी ऊपर कछार।

हर्बल गुलाल से और भी रंगीली होगी होली

■ विभिन्न रंगों और आकर्षक पैकेजिंग के साथ समूह द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल

■ हर्बल गुलाल से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी कबीरधाम ज़िले की महिला स्व-सहायता समूह महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। जनपद पंचायत बोडला के ग्राम राजा नवागांव की जय गंगा मैया स्व-सहायता समूह से जुड़ी दीदियों ने रंगोत्सव त्योहार होली के लिए हर्बल गुलाल का निर्माण किया है। महिला समूह ने हर्बल गुलाल के व्यवसाय से जुड़कर आजीविका के नए रास्ते खोले है। इस गतिविधि में 10 महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी है, जो उनके आय का अच्छा स्त्रोत है। लाल, गुलाबी, पीले सहित अन्य रंगों और प्रकृति खुशबू से भरपूर हर्बल गुलाल बाजार में आने के लिए उपलब्ध है। कलेक्टर कबीरधाम श्री गोपाल वर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष होली के अवसर पर जिले की विभिन्न महिला समूह द्वारा हर्बल गुलाल का निर्माण किया जाता है। कलेक्टोरेट, सभी जनपद पंचायत कार्यालय एवं अन्य स्थानों पर उनके द्वारा स्टॉल लगाकर हर्बल गुलाल की बिक्री की जाती है। समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए गुलाल पूरी तरह से प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाजार में मिलने वाले अन्य रंगों की तुलना में सस्ता होता है। हर्बल गुलाल की पैकेजिंग बहुत आकर्षक है और यह उपहार देने के भी बहुत अच्छा है। हर्बल गुलाल अनेक रंगो के साथ अलग-अलग मात्रा में पैकेजिंग सहित उपलब्ध है। गतवर्ष भी हमने देखा है कि समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए हर्बल गुलाब को क्षेत्रवासियों ने बहुत पसंद किया है और इस व्यवसाय से जुड़कर हमारी ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बहुत से समूह इसका निर्माण करते है। प्रत्येक समूह को इस व्यवसाय द्वारा 50 से 60 हजार रुपए का लाभ हो जाता है। हर्बल गुलाल की अच्छी गुणवत्ता और आकर्षक पैकिंग सभी को पसंद आती है। योजना से जुड़े मैदानी कर्मचारियों द्वारा समूह को मौसमी व्यवसाय करने के लिए प्रेरित करते हुए हर्बल गुलाल का निर्माण करने प्रोत्साहित किया जाता है। इसके निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की उपलब्धता के लिए समूह को सहायता प्रदान की जाती है। हर्बल गुलाल प्राकृतिक सामग्री जैसे फूल-पत्तियों आदि से बनाए जाते हैं और त्वचा के लिए यह पूरी तरह से सुरक्षित होते हैं। इसके साथ हर्बल गुलाल के और भी कई फायदे हैं। हर्बल गुलाल में प्राकृतिक रंग होता हैं।

विकास शर्मा को बिजली बिल से मिली राहत

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं विकास शर्मा के लिए हुआ लाभकारी सिद्ध........

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना उपभोक्ताओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो रही है। साथ ही भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिले में इस योजना के प्रति आमजन में तेजी से रूचि बढ़ रही है और लोग सोलर पैनल लगाकर बिजली बचत के साथ-साथ ऊर्जा-दाता भी बन रहे हैं। सूरजपुर जिला के विकासखण्ड राजपुर के ग्राम लड़ूवा निवासी श्री विकास शर्मा ने अपने घर के छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। सोलर पैनल लगवाने में केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि पहले हर

माह उनका बिजली बिल अधिक आता था, परन्तु सोलर पैनल लगने से अब उन्हें अधिक बिजली बिल की चिन्ता से मुक्ति मिलेगी। साथ ही इसके अलावा अतिरिक्त बिजली का उत्पादन होने पर वह ग्रिड में भी जमा होगी, जिसका उपयोग जरूरत पडने पर भविष्य में किया जा सकता है। श्री विकास शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना बहुत की उपयोगी एवं लाभकारी है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ लेकर बिजली उपभोक्ता से ऊर्जा-दाता बनने की दिशा में कदम बढ़ाएं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दें। श्री शर्मा ने योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक को वेबसाईट पीएमसूर्यघर डॉट जीओव्ही डॉट ईन या पीएम सूर्यघर मोबाइल एप पर पंजीयन कर लॉग इन आईडी प्राप्त करना होगा। इसके बाद वेब पोर्टल पर उपलब्ध वेंडर का चुनाव कर बिजली कर्मचारी की मदद से वेब पोर्टल पर पूर्ण आवेदन करना होगा। निर्धारित अनुबंध हस्ताक्षरित होने के पश्चात वेंडर द्वारा छत पर प्लांट की स्थापना एवं डिस्कॉम द्वारा नेट मीटर स्थापित किया जाता है। स्थापित प्लांट के सत्यापन पश्चात शासन द्वारा सब्सिडी ऑनलाईन जारी कर दी जाती है।

संपादकीय

आधी आबादी का हक, न्यायिक व्याख्या और नारी गरिमा का प्रश्न

महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की सुनवाई और फैसले की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि न्यायालय में पीड़िता के पक्ष पर कितनी संजीदगी के साथ गौर किया गया। खासतौर पर हमारे देश में बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों के मामले में न केवल इस अपराध की प्रकृति, बल्कि उसका पीड़िता के मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशील रुख अपनाने की जरूरत होती है, लेकिन कई बार इन तकाजों को प्राथमिक नहीं माना जाता।मगर अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस संदर्भ में एक जरूरी मानक सामने रखा है कि निचली अदालतों में बलात्कार के मामलों पर सुनवाई करते हुए कितना संवेदनशील होने की जरूरत है! गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में एक नाबालिग लड़की पर यौन इरादे से शारीरिक बलप्रयोग को बलात्कार के प्रयास का अपराध नहीं माना और आरोपों को हल्का करार दिया। उस समय भी अदालत के रुख और उसकी टिप्पणियों पर तीखे सवाल उठे थे।अब सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, उससे एक बार फिर महिलाओं की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। दरअसल, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संबंधित मामले में बलात्कार से संबंधित कानून के प्रावधानों की विचित्र व्याख्या करके आरोपियों के प्रति जिस तरह नरम रुख अख्तियार किया था, वह अपने आप में न्याय की प्रक्रिया पर एक गंभीर सवाल था।खासतौर पर एक नाबालिग लड़की पर तीन युवकों के शारीरिक बलप्रयोग, बदतमीजी और उसकी गरिमा को चोट पहुंचाने की जिस स्तर पर अनदेखी की गई और आरोप की गंभीरता को कम किया गया, उस पर खुद सुप्रीम कोर्ट ने भी गहरी नाराजगी जताई थी। बीते वर्ष 25 मार्च को शीर्ष अदालत की पीठ ने साफ शब्दों में कहा था कि यह फैसला पूरी तरह से असंवेदनशील और अमानवीय नजरिए को दिखाता है, इसलिए इस पर रोक जरूरी है। अब उसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट को फटकार लगाई और उसके विवादित फैसले को पलटते हुए नाबालिग लड़की से की गई हरकत को 'बलात्कार का प्रयास' करार दिया।अब यह मुकदमा गंभीर अपराध और पाक्सो अधिनियम के सख्त प्रावधानों के तहत चलेगा। निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट का यह रुख महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों की रोकथाम और खासतौर पर अदालतों में बलात्कार जैसे गंभीर अपराध की सुनवाई के क्रम में कभी-कभार बरती जाने वाली असंवेदनशीलता के मद्देनजर बेहद अहम है। सवाल है कि ऐसे मामलों में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए अपराध की प्रकृति, पीड़िता की स्थिति और सामाजिक हकीकतों को ध्यान में रखना जरूरी क्यों नहीं समझा जाता !

दरअसल, बालपन में ही 'अहं' और 'मैं' का द्वंद्व शुरू हो जाता है। एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण 'हम' है। वह अपने मां-पिता, दादा-दादी, भाई-बहनों के साथ रहने में आनंद और प्रसन्नता का अनुभव करता है और उसके सपनों का घर भी उसके मन की तरह विशाल और भव्य है, जिसमें वह सबके साथ हंसी-खुशी रहने का सुखद सपना संजोए है। इसलिए उसने एक ही घर बनाया है। जबकि एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण है उसका 'मैं'।'

'मैं' का अंधेरा और 'हम' का उजाला, सामूहिकता में ही जीवन का सार

(बुलाकी शर्मा)

अपने सपनों के घर में वह अकेला रहना पसंद करता है। ऐसा घर, जिस पर उसका एकाधिपत्य हो, जहां वह निर्द्वंद्व भाव से अपने मन की करने के लिए स्वतंत्र हो, कोई रोक-टोक न हो। भविष्य का जो सपना उसके मन में उछल-कूद मचाए हुए है, उसमें भी उसका 'अहं' हावी है।

जीवन में अक्सर ऐसे पल आते हैं, जब किसी अनमोल सबक का जरिया अपने आसपास का कोई बच्चा बन जाता है। एक जगह दो बच्चे साथ खेलते हुए घर बना रहे थे। एक बच्चे ने दो घर बनाए- एक छोटा और दूसरा बड़ा। दूसरे ने एक दोमंजिला घर बनाया। पहले ने कहा कि मेरा बड़ा वाला घर मेरे लिए और छोटा वाला मां-पिता और दादा-दादी के लिए। दूसरे ने कहा कि मुझे सबसे साथ रहने में अच्छा लगता हैज हम सब साथ-साथ रहेंगे, एक ही घर में। दूसरे बच्चे की निश्छल, निस्वार्थ और सबके साथ रहने की बात एक अनमोल सबक थी।

दरअसल, बालपन में ही 'अहं' और 'मैं' का द्वंद्व शुरू हो जाता है। एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण 'हम' है। वह अपने मां-पिता, दादा-दादी, भाई-बहनों के साथ रहने में आनंद और प्रसन्नता का अनुभव करता है और उसके सपनों का घर भी उसके मन की तरह विशाल और भव्य है, जिसमें वह सबके साथ हंसी-खुशी रहने का सुखद सपना संजोए है। इसलिए उसने एक ही घर बनाया है। जबकि एक बच्चे के लिए महत्त्वपूर्ण है उसका 'मैं।'

अपने सपनों के घर में वह अकेला रहना पसंद करता है। ऐसा घर, जिस पर उसका एकाधिपत्य हो, जहां वह निर्द्वंद्व भाव से अपने मन की करने के लिए स्वतंत्र हो, कोई रोक-टोक न हो। भविष्य का जो सपना उसके मन में उछल-कूद मचाए हुए है, उसमें भी उसका 'अहं' हावी है। इन दो बच्चों की तरह ही हम सबमें कमोबेश यह प्रवृत्ति उपस्थित मिलेगी। 'अहं' को अहमियत देते हुए स्वयं को सर्वोपरि मानने वाले भी हमारे बीच हैं और 'हम' को अहमियत देते हुए सबके प्रति समभाव रखने वाले भी हैं।

अहं के भाव की मनोवृत्ति मनुष्य को एकाकी बनाती है, क्योंकि वह अन्य के प्रति उपेक्षा भाव रखता है। उन्हें अपने समक्ष मानने से उसका दंभ जख्मी होने लगता है। वह अन्य को हेय और स्वयं को श्रेष्ठ मानने के भ्रम में जीता है। ऐसी मानसिकता के लोगों पर राजस्थानी में एक कहावत है- 'म्हनैं घड़गी जिकी बाड़ में बड़गी।' मतलब कि विधाता ने उसे खासतौर पर गढ़ा है, उसके बाद उसने ऐसी विलक्षण विभूति गढ़नी बंद ही कर दी।

वे यह मानने को ही तैयार नहीं होते कि उनसे सुयोग्य व्यक्ति भी इसी धरा पर मौजूद हैं। आत्ममुग्धता के व्यामोह में उलझे हुए ऐसे व्यक्ति अपने से ज्यादा प्रतिभासंपन्न व्यक्तित्व को 'रोगी' कहने में भी संकोच नहीं करते। अहं की मनोवृत्ति व्यक्ति को अहंकारी, असहिष्णु, अभिमानी, आत्ममुग्ध और दंभी बनाती है। इस प्रवृत्ति का व्यक्ति अगर घर का मुखिया है या किसी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, व्यावसायिक आदि समूह या संस्थान का प्रमुख है, तो वह स्वयं के निर्णय को ही सर्वोपरि मानते हुए अन्य सभी से अपेक्षा रखेगा कि वे बिना तर्क-वितर्क के उसे स्वीकार करें।

अन्य से राय-मशविरा करना या अन्य की सलाह या सुझाव को स्वीकारना उसे स्वीकार नहीं होता। अपना निर्णय अन्य पर थोपने से उसके अहं की संतुष्टि और गर्व की अनुभूति होती है। वह न उम्र का लिहाज करता है, न किसी पद या प्रतिष्ठा का। अन्य को कमतर और स्वयं को बेहतर बताने में ही उसकी ऊर्जा का अपव्यय होता रहता है। ऐसी मानसिकता के व्यक्ति अनुदार, अव्यावहारिक और आत्ममुग्ध होते हैं। अहं में उलझा व्यक्ति अन्य से सहज, शालीन और शिष्ट व्यवहार करने में अपनी हेठी समझता है।

उसका यह व्यवहार उसे अपने परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों से दूर करता जाता है, बावजूद इसके वह भ्रम पाले रहता है कि उसके प्रभावी व्यक्तित्व के ताप को सहन न कर पाने से वे उसके नजदीक आने से घबराते हैं। ऐसे व्यक्ति को धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार होना पड़ता है।

जबकि 'हम' यानी सबकी निजता का आदर और सम्मान करना, समूह भाव से रहना। खुशी हो या गम, मिलकर उन्हें साझा करना। हरेक के प्रति समभाव रखना।

सहयोग के लिए तत्पर रहना। हरेक की भावनाओं का सम्मान करना और उनकी राय और सुझाव पर सकारात्मक भाव से सामूहिक विचार-विमर्श कर काम करना। हम की भावना रखने वाले लोगों को समूह के साथ रहने और सामूहिक निर्णय से आनंद की अनुभूति होती है। उनकी दृष्टि सकारात्मक रहती है। वे किसी की कमी पर नुक्ताचीनी करने की जगह उसकी उपलब्धियों-खासियतों की प्रशंसा कर उसे अपनी कमियां दूर करने के लिए प्रेरित करते हैं। जंगल में जगह-जगह बिखरी लकड़ियों की अहमियत तब ज्यादा बढ़ जाती है जब उन्हें इकट्ठा कर गट्ठर बनाया जाता है।

अहं से मुक्त होकर ही हम गट्ठर की भांति संगठित हो पाते हैं और सामूहिकता में अपनत्व और आत्मीयता का अनुभव होता है। सुख-दुख साझा करते हैं, समस्याओं का निस्तारण सुगमता से कर पाते हैं। 'हम' प्रवृत्ति के व्यक्ति स्वाभिमानी होते हैं, किंतु अभिमानी नहीं। अपने स्वाभिमान के साथ ही वे दूसरों के स्वाभिमान का सम्मान करते हुए उनके प्रति सहज, सौम्य और शालीन व्यवहार करते हैं। मगर अहं में उलझा व्यक्ति अभिमानी होता है, स्वाभिमानी नहीं। अभिमानी व्यक्ति को दूसरे के स्वाभिमान पर चोट करके अमानुषी तुष्टि मिलती है।

ऐसा व्यक्ति स्वयं की रीढ़ की हड्डी तनी रखना चाहता है, लेकिन दूसरों की रीढ़ को रबर की मानते हुए इस दंभ से रहता है कि अन्य सब उसके सामने झुके रहें। जबकि हम वृत्ति का व्यक्ति सबकी रीढ़ की हड्डी तनी हुई देख कर प्रसन्न होता है। अहं और अभिमान से मुक्त होकर हम 'वसुधैव कुटुंबकम्' के भावों से ओतप्रोत सभी धर्म, मजहब, संप्रदायों का सम्मान करते हुए आपस में भाईचारा, प्रेमभाव, सौहार्द, सद्भाव से सबके स्वाभिमान की रक्षा करते हुए स्वाभिमान के साथ रहें, हम वृत्ति के व्यक्ति इस पर अमल करने की पूरी कोशिश करते हुए यह कामना करते रहते हैं कि हम भाव का विस्तार हो और सभी स्वाभिमान से जिएं और सबको स्वाभिमान से जीने दें।

जो आज है, वह कल नहीं रहेगा

(सुंदरचंद ठाकुर)

जीवन का सबसे अनदेखा सत्य यह है कि कुछ भी स्थायी नहीं है। जो अभी है, वह अगले ही क्षण बदलने की प्रक्रिया में है। फिर भी हम हर अनुभव को स्थायी मान लेते हैं। जो दुख अभी दिल पर रखा है, हमें लगता है वह हमेशा रहेगा। जो सुख अभी मिला है, हम चाहते हैं वह कभी छिने नहीं। और इसी चाह और भय के बीच हम थकते रहते हैं। थोड़ा ठहर कर देखिए। पांच वर्ष पहले जो बात आपको तोड़ रही थी, आज वह स्मृति भर है। जिस व्यक्ति के जाने से जीवन रुकता हुआ लगा था, उसके बिना भी जीवन चल पड़ा। जिस असफलता ने आपको शर्मिंदा किया था, वही शायद आज आपकी परिपक्वता का कारण है। इसका अर्थ यह नहीं कि दुख छोटा था। उसका अर्थ केवल इतना है कि दुख भी स्थायी नहीं था।

मन की प्रकृति ही बदलना है। सुबह जो विचार आते हैं, शाम तक बदल जाते हैं। कभी बिना कारण खुशी, कभी बिना कारण उदासी। मन बादलों की तरह है। बादल आकाश में आते हैं, आकार लेते हैं, घिरते हैं, बरसते हैं और फिर छंट जाते हैं। लेकिन आकाश बना रहता है। समस्या तब शुरू होती है जब हम स्वयं को बादल मान लेते हैं और भूल जाते हैं कि हम आकाश भी हैं। सुख और दुख मन की अवस्थाएं हैं। वे आते हैं और चले जाते हैं। पर हमारे भीतर एक ऐसी जगह है जो नहीं बदलती। वही साक्षी है। वही वह शांत केंद्र है जहां से हम अपने विचारों, भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को देख सकते हैं। जब कोई आपको अपमानित करता है, भीतर गुस्सा उठता है। जब कोई प्रशंसा करता है, भीतर प्रसन्नता उठती है। पर क्या आपने कभी यह देखा है कि इन दोनों को देखने वाला भी कोई है?

यदि आप केवल दो क्षण के लिए अपनी ही मनःस्थिति को देख लें, बिना उसमें डूबे हुए, तो एक अद्भुत स्वतंत्रता अनुभव होगी। जैसे आप नदी में नहीं, किनारे पर खड़े हों। नदी बहती रहेगी। लहरें उठेंगी। पर आप बहेंगे नहीं। यही साक्षी भाव है। इसका अर्थ यह नहीं कि जीवन से भाग जाना है। इसका अर्थ यह भी नहीं कि भावनाएं खत्म हो जाएंगी। भावनाएं आएंगी, क्योंकि वे मानव होने का स्वाभाविक हिस्सा हैं। अंतर केवल इतना होगा कि आप उनसे चिपकेंगे नहीं। आप जानेंगे कि यह भी बदलेगा। अभी जो भारी है, वह हल्का होगा। अभी जो सुखद है, वह भी बदल जाएगा।

जीवन का हर क्षण परिवर्तन की ओर बढ़ रहा है। यही उसका नियम है। इसी नियम को न समझने से पीड़ा जन्म लेती है। हम बदलती चीजों को पकड़कर स्थायी बनाना चाहते हैं। पर जीवन को पकड़ा नहीं जा सकता। उसे केवल जिया जा सकता है। जब आप साक्षी में टिकते हैं, तब एक अजीब शांति भीतर उतरती है। तब आप दुख में भी टूटते नहीं और सुख में भी बहकते नहीं। तब आप जीवन को उसके बदलते रंगों सहित स्वीकार करते हैं। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। पर जो देख रहा है, वह रहेगा। और वह आप ही तो हैं। और जब यह समझ भीतर उतर जाती है कि बदलना ही जीवन का स्वभाव है, तब शिकायतें कम होने लगती हैं। तब हम हर अनुभव को शिक्षक की तरह स्वीकारते हैं। तब हम पकड़ना छोड़ देते हैं और बहना सीख जाते हैं। और बहते हुए भी भीतर स्थिर रहना सीख जाते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

जब तक अंतिम व्यक्ति सुरक्षित नहीं, अधूरा है विकास

(योगेश कुमार गोयल)

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना- सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो।

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज आर्थिक वृद्धि से नहीं बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना न्यायपूर्ण, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। 20 फरवरी को मनाया जाने वाला सामाजिक न्याय का विश्व दिवस मानव सभ्यता की उस मूल चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो शांति संभव है और न ही टिकाऊ विकास। इस दिवस की स्थापना इसलिए की गई थी ताकि गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, असमानता और भेदभाव जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान के लिए देशों के बीच साझा प्रतिबद्धता को मजबूती मिल सके। यह एक चेतावनी भी है कि बढ़ती असमानताएं समाज की नींव को भीतर से कमजोर कर रही हैं और साथ ही एक अवसर भी है कि समय रहते ठोस नीतियों, संवेदनशील शासन और सामूहिक प्रयासों से इस प्रवृत्ति को बदला जा सकता है।

वर्ष 2026 में सामाजिक न्याय का विश्व दिवस की थीम है 'समावेशन को सशक्त बनाना- सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'। यह थीम स्पष्ट करती है कि असमानताओं को कम करने के लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह है कि विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित हो। समावेशन का अर्थ केवल योजनाओं का लाभ पहुंचाना नहीं बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो अब तक हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय एक अधूरा लक्ष्य बना रहेगा।

यह दिवस विशेष प्रासंगिकता रखता है क्योंकि आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, तकनीकी प्रगति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक व सामाजिक ढांचों को तेजी से बदला है। इन बदलावों का लाभ जहां कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, वहीं बड़ी आबादी, विशेषकर गरीब, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएं, प्रवासी, दिव्यांगजन और अल्पसंख्यक समुदाय, और अधिक असुरक्षित होती जा रही है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल नैतिक आदर्श नहीं, नीति और शासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा अवसरों, संसाधनों और अधिकारों के निष्पक्ष वितरण से जुड़ी है। इसका मतलब यह नहीं कि सभी को समान परिणाम मिलें बल्कि यह है कि सभी को समान अवसर उपलब्ध हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुंच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म, जन्मस्थान या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तब यह स्पष्ट संकेत होता है कि समाज में न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई लगातार चौड़ी हो रही है। एक ओर अत्यधिक संपन्न वर्ग है, जिसके पास संसाधनों और अवसरों की प्रचुरता है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेरोजगारी, असुरक्षित रोजगार और कम वेतन ने विशेष रूप से युवाओं के सामने गंभीर संकट खड़े कर दिए हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र की आवश्यकता सामने आती है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारी सहायता और खाद्य सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं बल्कि सामाजिक स्थिरता और भरोसे की आधारशिला हैं। भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की गारंटी देती है जबकि मौलिक अधिकार और राज्य नीति के निदेशक सिद्धांत असमानताओं को कम करने और कल्याणकारी राज्य की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

हिंदवी स्वराज्य की नींव रखने वाले छत्रपति आज भी क्यों उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने वक्त में हुआ करते थे

1658 का साल जब औरंगजेब ने बादशाह बनने के लिए अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद करवाया। अपने भाई मुराद को धोखे से मरवाया दूसरे भाई दारा शिको का सर कलम करके खुद को आलमगीर की उपाधि से नवाजा। । गद्दी पर बैठने के 5 साल के अंदर-अंदर उसने अपना साम्राज्य विस्तार कर लिया था और उसकी सीमाएं उत्तर में लद्दाख तक उत्तर पश्चिम में काबुल कंधार तक, पूर्व में बंगाल तक, पश्चिम में गुजरात, सिंध और राजपूताना तक फैल चुकी थी। लेकिन दक्षिण में कुछ ऐसा था जो उसके सारे मंसूबों पर पानी फेर रहा था।

(अभिनय आकाश)

जो शख्स इस मराठा सेना का नेतृत्व कर रहा था वो कोई और नहीं बल्कि मुगलों की जुबान में वो पहाड़ी चूहा था जिसकी छापेमार गोरिल्ला युद्ध नीति बड़ी से बड़ी फौज को भी परास्त कर सकती थी। और जिसकी वजह से औरंगजेब कभी दिल्ली में काबिज होकर भी चैन की नींद नहीं सो पाया था।

1658 का साल जब औरंगजेब ने बादशाह बनने के लिए अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में कैद करवाया। अपने भाई मुराद को धोखे से मरवाया दूसरे भाई दारा शिको का सर कलम करके खुद को आलमगीर की उपाधि से नवाजा। । गद्दी पर बैठने के 5 साल के अंदर-अंदर उसने अपना साम्राज्य विस्तार कर लिया था और उसकी सीमाएं उत्तर में लद्दाख तक उत्तर पश्चिम में काबुल कंधार तक, पूर्व में बंगाल तक, पश्चिम में गुजरात, सिंध और राजपूताना तक फैल चुकी थी। लेकिन दक्षिण में कुछ ऐसा था जो उसके सारे मंसूबों पर पानी फेर रहा था। जो शख्स इस मराठा सेना का नेतृत्व कर रहा था वो कोई और नहीं बल्कि मुगलों की जुबान में वो पहाड़ी चूहा था जिसकी छापेमार गोरिल्ला युद्ध नीति बड़ी से बड़ी फौज को भी परास्त कर सकती थी। और जिसकी वजह से औरंगजेब कभी दिल्ली में काबिज होकर भी चैन की नींद नहीं सो पाया था। मुगलिया सल्तनत के लिए वो एक पहाड़ी चूहा हो सकता है लेकिन वो असल में मराठों का शेर था। आज बात शिवाजी की करेंगे जिन्होंने ता उम्र मुगलों से लोहा लिया और वक्त के साथ खुद को छत्रपति शिवाजी महाराज के रूप में स्थापित किया। हिंदुत्व को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचाया जहां से इस शब्द के नए मायने तलाशे गए और जो अपनी मौत के 400 साल बाद भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने वो अपने वक्त में हुआ करते थे।

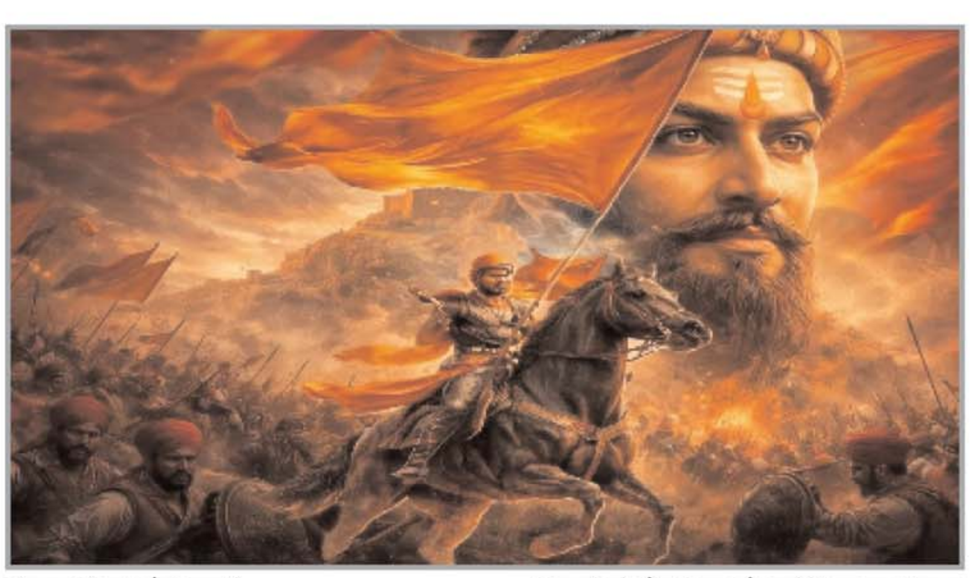

बीजापुर की गद्दी और शिवाजी

साल 1645में औरंगजेब और दारा शिकोह के बीच दुश्मनी परवान चढ़ रही थी। औरंगजेब को दक्षिण की सबेदारी से बेदखल कर दिया गया। इसी साल शिवाजी ने बीजापुर की गद्दी पर अपनी पकड़ बनानी शुरू की। उनके पिता शाहजी भोंसले पूणा की जागीर संभालते थे, लेकिन बीजापुर की रिसायत के तले रहकर। शिवाजी को ये मंजूर नहीं था। लेकिन उनके सामने एक बड़ा सवाल था कि छोटी सी जागीर का वारिस बीजापुर रियासत का सामना कैसे करता। परिस्थिति ने उन्हें एक मौका दिया। मुगल दक्कन में अपना कद मजबूत करने की फिराक में था। बीजापुर उसे रोकने में था। आदिलशाही का सारा ध्यान औरंगजेब को रोकने में था। शिवाजी को मौका मिला और उन्होंने एक एक बीजापुर के किलों को हथियाना शुरू किया। सबसे पहला किला तोड़ना था। फिरंगोजी के पास चाकन के किले का जिम्मा था। उन्होंने शिवाजी के प्रति वफादारी की शपथ लेते हुए उनके मिलिट्री कमांडर बने। इसके बाद शिवाजी ने कोंडना का किला भी हथिया लिया। बीजापपुर तक इसकी खबर पहुंची तो उन्होंने शिवाजी के पिता शाहजी को बंदी बना लिया। ये दांव सफल रहा क्योंकि मजबूरन शिवाजी को अपनी कार्रवाई रोकनी पड़ी। 1649 में शाहजी की रिहाई हुई तो शिवाजी दोबारा अपने अभियान में लग गए। 1656 में मोहम्मद आदिरशाह की मौत होने पर बीजापुर का नया सुल्तान अली आदिल शाह को बनाया गया। जिसकी उम्र महज 18 साल की थी। 1659 तक शिवाजी और बीजापुर की सल्तनत के बीच तनातनी में कुछ कमी आई। तब आदिल शाह की मां ने शिवाजी पर नकेल कसने की सलाह दी।

धोखा देकर शिवाजी को मारने वाला था अफज़ल: अफजल खान बीजापुर के सबसे ताकतवर कमांडर में से एक थे। 7 फुट का विशालकाय अफजल खान अब तक एक भी जंग नहीं हारा था। भोंसले परिवार के साथ उसकी पुरानी अदावत थी। शिवाजी के बड़े भाई संबाजी की मौत में बड़ा रोल था। बीजापुर के बुलावे पर वो दक्कन से लौटकर वो शिवाजी से जंग लड़ने पहुंचा। उसके पास 20 हजार घुड़सवार, 15 हजार पैदल सैनिक, 100 तोपें और कई हाथी थे। शिवाजी का सामना अब तक इतनी बड़ी सेना से नहीं हुआ था। उन्हें इल्म था कि सीधी लड़ाई में हार की संभावना ज्यादा है। शिवाजी सेना सहित प्रतापगढ़ के किले में घुस गए। शिवाजी को उकसाने के लिए अफजल खान ने मंदिरों और आसपास के गांवों पर हमला किया। फिर अफजल खान ने संधि के लिए संदेशा भेजा। वादा किया कि संधि होने पर बीजापुर को उनके हिस्से का इलाका देने की बात भी कही। शिवाजी ने मुलाकात की पेशकश स्वीकार कर ली। प्रतापगढ़ किले के नीचे मिलने और फौज लेकर कोई नहीं आने की बात तय हुई। लेकिन अफजल ने गांव के आसपास अपनी सेना को तैनात कर दिया। शिवाजी ने भी अपनी सेना से तैयार रहने को कहा।

स्वराज्य और नौसेना का महत्व: विदेशी आक्रांताओं से आजादी की दृष्टि से फोर्स बनाने का काम शुरू किया गया। उन्होंने कोकण तट पर कब्ज़ा करना शुरू कर दिया और 4 मई के अपने नए विचार के साथ स्वाभाविक रूप से नौसेना के बारे में सोचा जब उनका विस्तारित साम्राज्य समुद्र की सीमा से लगी शक्ति के संपर्क में आया। नौसेना को प्रोत्साहन आर्थिक के बजाय राजनीतिक था। शुरुआत में कोकण तट अंग्रेजी, पुर्तगाली और डचों से प्रभावित था। इन विदेशी शत्रुओं को रोकने और उन्हें अपनी मातृभूमि से उखाड़ फेंकने के लिए नौसेना आवश्यक थी। मराठा नौसेना के गठन का यही प्रत्यक्ष कारण था।

शिवाजी की समाधि कहाँ स्थित है?: 1680 में शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद रायगढ़ के किले में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बाद में वहां उनकी एक समाधि बनाई गई। हालांकि शिवाजी की मृत्यु के तुरंत बाद समाधि की उपस्थिति का विवरण देने वाला कोई समकालीन रिकॉर्ड नहीं है। लेकिन कहा जाता है कि एक दशक के अंतराल के बाद किले पर मुगलों का कब्जा हो गया और 1689 से 1733 तक उनके नियंत्रण में रहा। मराठों ने 1733 में किले पर पुनः कब्ज़ा कर लिया और यह 1818 तक उनके नियंत्रण में रहा, जब तक की ब्रिटिश सेना ने आक्रमण नहीं किया था। कहा जाता है कि किले पर कब्जे के दौरान अंग्रेजों ने लगातार गोलाबारी की, जिससे समाधि सहित अंदर की कई संरचनाओं को नुकसान पहुंचा।

ब्रिटिश रिकॉर्ड में क्या कहा गया? : ऐसे दावे किए जाने हैं कि पेशवा शासन के तहत समाधी पहले से ही अच्छी स्थिति में नहीं थी। बाद में ब्रिटिश शासन के तहत और अधिक खंडहर हो गई। लेखक जेम्स डगलस ने अपनी 1883 की पुस्तक ए बुक ऑफ बॉम्बे में किले की अपनी यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि अब किसी को भी शिवाजी की परवाह नहीं है। डगलस ने किले और समाधि की उपेक्षा के बारे में बाद के मराठा शासकों से भी सवाल किया।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली

अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक दायित्व निर्वहन करने के दिए निर्देश

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए हितग्राहियों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने तेंदूपत्ता संग्रहण की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक दायित्व निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में अवैध वन कटाई की रोकथाम हेतु मैदानी अमले को सतर्क एवं सक्रिय रहने को कहा। उन्होंने जिले के विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना के सुचारू संचालन के लिए समूह के माध्यम से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की योजनाओं के अंतर्गत श्रम पंजीयन, दीदी ई-रिक्शा योजना तथा बीमा भुगतान की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करने को कहा। कलेक्टर ने शासन की महत्वपूर्ण होम-स्टे योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए जिले में होम-स्टे संचालन को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आधार पंजीयन एवं बायोमेट्रिक अपडेट के कार्यों में तेजी लाने विशेष जोर दिया गया। संपूर्णता अभियान अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यक तैयारी रखने को कहा। साथ ही धान उठाव की समीक्षा करते हुए उठाव कार्य में तेजी लाने हेतु डीएमओ को आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

मेधावी विद्यार्थी शैक्षणिक भ्रमण हेतु श्री हरिकोटा रवाना

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के मेधावी विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट हेतु रवाना किया गया। कोण्डागांव जिले के पीएम श्री विद्यालयों के हायर सेकेण्डरी स्तर पर बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं शिक्षको की 16 सदस्यीय टीम को भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम श्री विद्यालयों के अंतर्गत संचालित पीएम श्री विद्यालय के विद्यार्थियों को एक्सपोजर विजिट योजना के अंतर्गत आंध्र प्रदेश भ्रमण हेतु आज रवाना किया गया। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई तथा जिला मिशन समन्वयक ईमल बघेल द्वारा आज हरी झण्डी दिखाकर विद्यार्थियों को शुभकामनाओं सहित विदा किया गया। यह टीम भद्राचलम, विजयवाड़ा एवं सुलूरपेटा मार्ग से होकर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र का शैक्षणिक भ्रमण करेगी। यहाँ विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, रॉकेट प्रक्षेपण प्रणाली एवं उपग्रह तकनीक के संबंध में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को निकटवर्ती पक्षी अभयारण्य (पुलिकट झील क्षेत्र) एवं समुद्र तट का भी भ्रमण कराया जाएगा, जिससे उन्हें प्राकृतिक एवं पर्यावरणीय अध्ययन का अवसर मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार की भावना तथा व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

700 वर्ष पुरानी परंपरा के साथ शुरू हुआ फागुन मड़ई

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला ऐतिहासिक फागुन मड़ई देव परिक्रमा के साथ विधिवत प्रारंभ हो गया है। यह भव्य पारंपरिक मेला पूरे एक सप्ताह तक संचालित होगा, जिसमें आदिवासी संस्कृति, आस्था और आधुनिक उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

मेले की शुरुआत सोमवार और मंगलवार की मध्य रात्रि में दंतेश्वरी मावली माता मंदिर तथा भंगाराम बाबा मंदिर में आयोजित निशा जत्रा से हुई। पारंपरिक पूजा-अर्चना और स्थानीय धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मेले का आध्यात्मिक वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठा।

मावली माता दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में 22 पाली के देवी-देवताओं की भव्य देव परिक्रमा के साथ मेले का औपचारिक शुभारंभ हुआ। परंपरा के अनुसार कोण्डागांव नगर क्षेत्र के 10 पाली तथा पलारी क्षेत्र के 12 पाली के देवी-देवता अपने-अपने वाहन, सवार और भक्तों की टोली के साथ मेला स्थल पहुंचे। स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार यह मेला लगभग 700 वर्ष पुरानी परंपरा से जुड़ा हुआ है। हर वर्ष सभी 22 पाली के देवी-देवता मावली माता दंतेश्वरी प्रांगण, बाजारपारा में एकत्र होकर जत्रा और परिक्रमा करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भंगाराम देव, कुंवर बाबा देव, रेवा गुड़िन माता, काली कंकालीन माता और हिंगलाजिन माता इस आयोजन के प्रमुख देव रूपों में शामिल माने जाते हैं। निशा जत्रा के दौरान भंगाराम बाबा मंदिर का मुख्य द्वार वर्ष में एक बार विशेष रूप से खोला जाता है, जहां पारंपरिक पूजा-अर्चना संपन्न होती है। इसके बाद सुबह होते-होते क्षेत्र की 22 पाली से देवी-देवता लाठ, अंग और डोली में सवार होकर मेला परिसर पहुंचते हैं। छोटा परिक्रमा और बड़ा परिक्रमा पूर्ण होने के पश्चात मेले का विधिवत शुभारंभ घोषित किया जाता है। मेले की भव्यता और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने मेला प्रारंभ दिवस पर जिले में अवकाश घोषित किया है। साथ ही जिला मुख्यालय में यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए सभी बड़े वाहनों के प्रवेश पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। फागुन मड़ई के साथ कोण्डागांव एक बार फिर परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक उत्सव के रंग में सराबोर हो उठा है, जहां देव परिक्रमा से लेकर सामुदायिक मेल-मिलाप तक सदियों पुरानी लोक परंपराएं जीवंत रूप में दिखाई दे रही हैं।

मंगीतोंग पाकेला में सोढ़ी समाज का शक्ति प्रदर्शन

संजय सोढ़ी का स्पष्ट संदेश- नक्सली विचारधारा से दूरी रखें, सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी दिखाएं युवा

सुकमा. विकासखंड छिंदगढ़ के ग्राम मंगीतोंग पाकेला में उयका सोढ़ी परिवार का जिला स्तरीय वार्षिक सम्मेलन सामाजिक एकजुटता, सांस्कृतिक स्वाभिमान और सकारात्मक सोच के संदेश के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन में सुकमा जिले सहित बीजापुर, दंतेवाड़ा और ओडिशा से बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। पूरे आयोजन में समाज को संगठित करने, नशामुक्ति अभियान को मजबूत करने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और आदिवासी परंपराओं के संरक्षण पर व्यापक चर्चा की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किसी भी समाज की असली ताकत उसकी शिक्षा, अनुशासन और आपसी एकता में होती है। युवाओं को नशे से दूर रहकर अपने भविष्य को मजबूत बनाने और समाज का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी गई।

शिक्षा ही समाज को ऊंचाइयों तक ले जाएगी - सम्मेलन को संबोधित करते हुए दीपिका सोढ़ी (सदस्य, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग) ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक सामाजिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों की विरासत, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि सोढ़ी परिवार का हर बच्चा उच्च शिक्षा प्राप्त करे और प्रशासनिक, शैक्षणिक, न्यायिक एवं अन्य बड़े पदों तक पहुंचे–यह समाज का सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए।उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी बच्चे के माता या पिता का निधन हो गया हो और वह घर पर रहकर पढ़ाई कर रहा हो, तो इसकी जानकारी उन्हें दी जाए। शासन की योजना के अंतर्गत ऐसे बच्चों को 4000 रुपये प्रतिमाह की सहायता दिलाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आर्थिक अभाव के कारण उनकी पढ़ाई बाधित न हो।महिलाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित और सशक्त होती हैं, तभी समाज सशक्त बनता है। शिक्षा, जमीन विवाद, घरेलू हिंसा या किसी भी सामाजिक समस्या की स्थिति में तुरंत संपर्क करने का आग्रह करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे हर परिस्थिति में समाज के साथ खड़ी हैं। समाज की ओर से प्रस्तुत मांगपत्रों पर यथासंभव कार्रवाई कराने का आश्वासन भी दिया।

नक्सली विचारधारा को समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा- समाज के वरिष्ठ सदस्य संजय सोढ़ी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कुछ युवा सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग कर रहे हैं और बिना सोचे-समझे टिप्पणियां कर रहे हैं, जिससे समाज की छवि प्रभावित हो सकती है।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सोढ़ी समाज देश विरोधी या नक्सली विचारधारा का समर्थन नहीं करता है।

उन्होंने कुख्यात नक्सली माड़वी हिड़मा का उल्लेख करते हुए कहा कि कुछ लोग उन्हें शहीद या हीरो बताने का प्रयास करते हैं, जबकि ऐसे कृत्यों से अनेक निर्दोषों की जान गई है। समाज ऐसे किसी भी विचार या गतिविधि का समर्थन नहीं करेगा।उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, सकारात्मक सोच अपनाएं और समाज तथा राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।सम्मेलन में लच्छू सोढ़ी (अध्यक्ष), राजू सोढ़ी (उपाध्यक्ष), मानका सोढ़ी (सचिव), राजू सोढ़ी (उप सचिव), महेश सोढ़ी, देवालाल सोढ़ी, राजूराम सोढ़ी, सायम सोढ़ी, नंदा सोढ़ी, मंगडू सोढ़ी, रामधर सोढ़ी, भीमा सोढ़ी, रमेश सोढ़ी, सुशीला सोढ़ी, सुक्को सोढ़ी, रीना सोढ़ी सहित सोढ़ी परिवार जिला सुकमा के अनेक प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।सम्मेलन का समापन शिक्षा, नशामुक्ति, महिला सशक्तिकरण, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। मंगीतोंग पाकेला में आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन सामाजिक जागरूकता, एकता और आदिवासी स्वाभिमान का सशक्त उदाहरण बनकर रहे।

सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संकल्प

सम्मेलन में सोढ़ी समाज की पहचान गोंड जनजाति के रूप में उल्लेखित करते हुए उसकी समृद्ध आदिवासी परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखने का संकल्प दोहराया गया। वक्ताओं ने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ अपनी जड़ों और संस्कृति को सहेजकर रखना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष लच्छुराम सोढ़ी ने कहा कि जिस प्रकार समाज की बेटी दीपिका सोढ़ी अधिवक्ता, राजनीति और समाज सेवा के क्षेत्र में तथा समाज के बेटे संजय सोढ़ी सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, उसी प्रकार हर बच्चे को शिक्षा ग्रहण कर हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन मुकरम से आए हिड़मा गुरुजी ने स्थानीय गोंडी बोली में प्रभावी ढंग से किया। उन्होंने कोया माटा की परंपरा और समाज की सांस्कृतिक जड़ों को जानने एवं समझने पर विशेष बल दिया।

भाजपा एससी मोर्चा में प्रीति दूधी को मिली जिला उपाध्यक्ष की दायित्व

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले में संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी ने प्रीति दुधि को जिला एससी मोर्चा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की घोषणा पार्टी के जिला पदाधिकारियों द्वारा की गई।वरिष्ठ नेताओं ने प्रीति दुधि को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी।पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रीति दुधि लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में उनकी भागीदारी उल्लेखनीय रही है। अनुसूचित जाति वर्ग के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी।जिला नेतृत्व ने कहा कि भाजपा का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना है और एससी मोर्चा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है। ऐसे में प्रीति दुधि की नियुक्ति से मोर्चा को नई ऊर्जा, गति और दिशा मिलेगी।पार्टी पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि वे बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, युवाओं और महिलाओं को जोड़ने तथा सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगी।

प्रवेश परीक्षा 1 मार्च को होगी आयोजित

नारायणपुर। जिला नारायणपुर अंतर्गत संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छेरीबेड़ा एवं ओरछा में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 01 मार्च 2026 दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक परीक्षा केन्द्र शासकीय कन्या शिक्षा परिसर गराजी, शासकीय बालक बुनियादी आदर्श आवासीय विद्यालय गराजी एवं एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओरछा में परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु राज्य कार्यालय द्वारा वेबसाईट https//eklavya.cg.nic.in/ पर प्रवेश पत्र जारी किया गया है।

पेंटा में मानसगान सम्मेलन का आयोजन, 15 मंडलियों ने दी प्रस्तुति

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के कुआकोंडा ब्लॉक स्थित दूरस्थ गांव पेंटा में एक दिवसीय रामचरित मानस गान सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। जिसका समापन हुआ।स्वर धारा मानस मंडली पेंटा के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में दंतेवाड़ा एवं अन्य जिले से भी कुल 15 मानस मंडलियों ने उपस्थित होकर प्रस्तुति दी।

सुबह से देर रात तक गांव में राम चरित मानस की चौपाइयाँ व भजनों से वातावरण अनुगूंजित रहा। भक्तिमय वातावरण में राम चरित मानस का रसपान करने पेंटा व आस-पास के इलाकों से श्रद्धालु कार्यक्रम के अंत तक मौजूद रहे। आयोजन में उपस्थित होने वाली मंडलियों को रामायण ग्रन्थ की प्रति और अन्य उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।जिन मानस मंडलियों ने प्रस्तुति दी, उनमें घलर लोक सांस्कृतिक एवं मानस मंडली घोटपाल, ज्ञान ज्योति मानस मंडली किरंदुल, माँ तपेश्वरी रामायण मंडली समलूर, ओमकारेश्वर बालिका मानस मंडली दंतेवाड़ा, सदाप्रेमानन्द मानस मंडली भूतपदर गीदम, तुलसी रामायण मंडली मंझार पारा नयापारा बालूद, श्रद्धा मानस मंडली किरंदुल, अन्नपूर्णा महिला मानस मंडली कोंटा, जय मां दंतेश्वरी मानस परिवार बचेली, श्री शिवा रामायण मंडली मंझार पारा बालूद, कल्कि रामायण मंडली चंदेनार, मां गंगनादई मानस मंडली पड़ियार पदर बालूद, श्रीराम भजन मंडली हिड़पाल गीदम, सुर संगम मानस मंडली दंतेवाड़ा शामिल थे। दूरस्थ अंचल के गांव पेंटा में 35 वर्ष पूर्व रामायण मंडली का गठन किया गया था, जो हर साल अनवरत रामलीला मंचन के लिए क्षेत्र में मशहूर हो चुकी है। विभिन्न समुदायों के बीच समरसता की मिसाल बन चुकी मंडली को जिले के अन्य हिस्सों में भी रामलीला मंचन के लिए आमंत्रित किया जाने लगा हैं।

कलेक्टर ने किया नियद नेल्लानार योजना के क्रियान्वयन के लिए ग्राम पंचायतों में नोडल अधिकारियों की नियुक्त

कोण्डागांव। राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और शत-प्रतिशत योजनाओं के संतृप्तिकरण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने बड़ी प्रशासनिक पहल की है। कलेक्टर नम्रता जैन ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अलग-अलग ग्राम पंचायतों का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, ताकि समन्वय के साथ योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत कस्तुरमेटा के लिए कार्यपालन अभियंता पीएमजेएसवाई विनय कुमार वर्मा, कलमानार के लिए श्रम पदाधिकारी अमरसिंह खाण्डे एवं जिला सलाहकार जीवनलाल, नेड़नार के लिए जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र नाग एवं जिला समन्वयक गिरेन्द्र साहू, तथा गोरपा के लिए उप संचालक कृषि मोनिका ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार मेटानार के लिए उप संचालक पंचायत यक्षपाल प्रेक्षा, कुंदला के लिए कार्यपालन अभियंता पीडब्ल्यूडी संजय चौहान, कच्चापाल के लिए कार्यपालन अभियंता आरईएस रामेश्वर नेताम, मुरनार के लिए सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी दीपेश रावटे और झारावाही के लिए सीएमएचओ डॉ. टीआर कुंवर को नोडल अधिकारी बनाया गया है। कोहकामेटा के लिए तहसीलदार शय्यद एजाज हासमी, कुतुल के लिए जनपद सीईओ ओरछा लोकेश चतुर्वेदी, धुरबेड़ा के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास राजेन्द्र सिंह, पदमकोट के लिए कार्यपालन अभियंता जल संसाधन अशोक चौधरी तथा पांगुड़ के लिए जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल को दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा रायनार के लिए सीईओ जनपद पंचायत नारायणपुर सुनिल सोनपिपरे, ओरछा के लिए तहसीलदार विजय कुमार साहू।

मुखबिर की सूचना के आधार पर वन्यप्राणी शिकार के आरोपियों को जेल भेजा गया

कोण्डागांव। मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वन विभाग के दल द्वारा बाजार पारा निवासी उषा बाई रजक के मकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वहां से 8 नग प्लास्टिक की थैलियों में रखे गये मांस प्राप्त हुये। मांस के संबंध में पूछताछ करने पर मकान में मौजूद संगीता निर्मलकर एवं उषा बाई ने बताया कि वह मांस वन्य प्राणी सांभर का है तथा इसे खाने एवं बेचने के उद्देश्य से ग्राम उरपुटी जिला धमतरी निवासी नरसु पिता पिलारू से खरीदकर लाना बताया गया। उक्त दोनों आरोपीगण के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धाराओं के तहत पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने पर प्रकरण दर्ज कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहां से दोनों आरोपियों को न्यायालय द्वारा 14 दिन के न्यायिक रिमांड पर जगदलपुर जेल भेजा गया। दोनो आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर तथा वनमण्डलाधिकारी श्री चूडामणी सिंह के निर्देशानुसार एक दल का गठन किया गया जो तत्काल धमतरी के लिए अग्रिम कार्यवाही हेतु रवाना हुआ। दल द्वारा ग्राम उरपुटी जिला धमतरी पहुंच कर नरसु के निवास में दबिश दी गयी। उससे पूछताछ करने पर यह स्वीकार किया गया कि सांभर का शिकार उसके 04 साथियों से मिलकर किया गया है तथा मांस संगीता निर्मलकर से सम्पर्क कर बेचना बताया गया। वन्य प्राणी सांभर के शरीर का वह भाग जो खाने योग्य नहीं था उसे धमतरी वनमण्डल के आरक्षित वन कक्ष क्रमाक आर. एफ. 178 में जला दिया गया। उक्त जानकारी के आधार पर नरसु पिता पिलारू, मुकेश पिता पिलारू, दुलेश्वर पिता धनीराम, तुलसी पिता भानसिंग, मैतु पिता मंगलु ग्राम उरपुटी जिला धमतरी को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोण्डागाँव लाया गया जिन्हे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त समस्त कार्यवाही में कोंडागांव पुलिस विभाग का सराहनीय योगदान रहा जिसके लिये वनमंडलाधिकारी कोण्डागांव वनमंडल द्वारा विशेष रूप से धन्यवाद दिया गया।

जिला कांग्रेस कार्यकारिणी की सूची जारी, सत्ता परिवर्तन के बाद कांग्रेस संगठन को नए सिरे से धार देने की तैयारी

नारायणपुर। जिला कांग्रेस कमेटी ने कार्यकारिणी का विस्तार करने के लिए नवीन सदस्यो का सूची प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौपा था, जिसके बाद पीसीसी ने नई कार्यकारिणी की सूची जारी किया है, सत्ता परिवर्तन के बाद कांग्रेस, संगठन को नए सिरे से धार देने की तैयारी में जुटी है। इसी के तहत एआईसीसी की निगरानी में जिला कार्यकारणी की नियुक्ति की गई है। गौरतलब है कि प्रदेश में पहले विधानसभा और बाद में लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद कांग्रेस ने संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं की रायशुमारी व पसंद के आधार पर पदाधिकारियों की नियुक्ति का फैसला किया है। इसी के तहत संगठन सृजन अभियान चलाया गया है। इसके पहले चरण में कार्यकर्ताओं ने लंबी मंत्रणा और महीने भर में मंथन की कवायद के बाद जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। इसके बाद इसी तरह की कवायद प्रदेश स्तर पर कर ब्लाक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। अध्यक्षों की नियुक्ति के बाद अब इन संगठनों के विस्तार कीया गया हैं। संगठन के सभी महत्वपूर्ण पदों के लिए नामो की घोषणा किया गया हैं। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों में जो कार्यकर्ता विपक्ष की भूमिका में सडकों पर सक्रिय रहे हैं, उन्हें प्राथमिकता दीया गया है। वहीं जिला अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष पदों के लिए जिन्होंने मजबूती से दावेदारी पेश की थी, लेकिन किन्हीं कारणों से पद नहीं पा सके, उन्हें जिला कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिया गया है। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ नेताओं और पूर्व विधायक के साथ समन्वय कर नामों का चयन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

एमएसएमई और महिला उद्यमियों को मिलेगा वित्तीय सशक्ति करण का मंच

बिलासपुर। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयों, महिला उद्यमियों तथा पीएमईजीपी और पीएमएफएमई हितग्राहियों को बैंक ऋण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक दिवसीय उद्योग–बैंकर्स संवाद कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला रैम्प योजना के अंतर्गत 27 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे से मोटल सिटी बिलासपुर (नया बस स्टैण्ड, तिफरा) में आयोजित होगी। कार्यशाला में जिले के कलेक्टर सहित उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं उद्योग संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों को बैंक ऋण की प्रक्रिया, सरकारी योजनाओं की पात्रता एवं वित्तीय सहायता प्राप्त करने के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। इस संवाद कार्यक्रम के माध्यम से उद्यमियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों के समाधान का अवसर मिलेगा। साथ ही वे सीधे बैंक अधिकारियों एवं संबंधित विभागों से संवाद कर अपनी समस्याओं का निराकरण करा सकेंगे। जिले के सभी उद्यमियों, महिला स्व–सहायता समूहों, पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई योजना के हितग्राहियों से अपील की गई है कि वे इस नि:शुल्क कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं और अपने उद्यम को नई दिशा दें।

फरार आरोपियों की सूचना देने पर मिलेगा इनाम

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर द्वारा थाना मस्तूरी एवं थाना चकरभाठा में दर्ज प्रकरणों के फरार आरोपियों की सूचना देने वालों के लिए 5 हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की गई है। थाना मस्तूरी, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध आर्म्स एक्ट के प्रकरण में फरार आरोपी नागेन्द्र राय पिता स्व. चन्द्रिका प्रसाद राय, उम्र 60 वर्ष, निवासी लालखदान तोरवा एवं टाकेश्वर पाटले पिता ईश्वरी प्रसाद पाटले, उम्र 50 वर्ष, निवासी लिमतरा मस्तूरी की गिरफ्तारी हेतु सूचना देने वाले व्यक्ति को पुरस्कृत किया जाएगा। इसी प्रकार थाना चकरभाठा, जिला बिलासपुर में दर्ज अपराध के प्रकरण में नाबालिग बालिका को बहला–फुसलाकर अपहरण कर फरार अज्ञात आरोपी के संबंध में सूचना देने वाले व्यक्ति को भी 5 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जायेगा तथा पुरस्कार वितरण के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर का निर्णय अंतिम होगा। इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बिलासपुर 07752–223330, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण बिलासपुर 07752–223193, मो.नं. 94791–93003, पुलिस नियंत्रण कक्ष, बिलासपुर 07752–228504, मो.नं. 94791–93099, थाना प्रभारी मस्तूरी मो.नं. 9479193040 एवं थाना प्रभारी चकरभाठा मो.नं. 9479193041 पर संपर्क किया जा सकता है।

होली एवं ईद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आज

बिलासपुर। आगामी होलिका दहन, होली एवं ईद–उल–फित्र पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 27 फरवरी को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है।बैठक जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में सायं 5.30 बजे आयोजित होगी। इन पर्वों के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर विचार–विमर्श के लिए बैठक बुलाई गई है। जिला प्रशासन ने शांति समिति के सदस्यों एवं संबंधित जनप्रतिनिधियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है। बैठक में पर्वों के दौरान सुरक्षा, यातायात, साफ–सफाई, विद्युत व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की जाएगी, ताकि जिले में सभी त्यौहार सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हो सकें।

ट्रेफिक वायलेशन फ्री जाने बनाने क्रमशः सेक्टर का किया जा रहा विस्तार

बिलासपुर। यातायात पुलिस बिलासपुर द्वारा ट्रेफिक वायलेशन फ्री जोन बनाने अब क्रमशः सेक्टर का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही पूर्व निर्धारित सेक्टर के अलावा अन्य जगहों पर सेक्टर निर्धारित करके सख्त कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 5 सेक्टरों को ट्रेफिक वायलेशन फ्री जोन बनाई जा चुका है। पीपीपी मॉडल पर सभी सेक्टर में सुगम आवागमन हेतु विशेष प्रयास किया जा रहा है। भुतल एवं सड़क परिवहन मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देश पर पुलिस मुख्यालय, एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में 1 जनवरी 2026 से लेकर लगातार जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है इस दौरान योजनाबद्ध एवं समय बद्ध तरीके से सडक सुरक्षा हेतु बहु आयामी उद्देश्यों को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जिले में यातायात नियमों के पालन एवं नियमों के प्रति अनुशासन एवं प्रतिबद्धता स्थापित करने हेतु लगातार जनजागरूकता की जा रही है। इसी क्रम मे नवीन सेक्टर 05 में लगातार कार्रवाई करते हुए आम नागरिकों को ट्रेफिक वायलेशन फ्री जोन के संबंध में अवगत की जा रही ।

समावेशी शिक्षा के तहत शिक्षक एवं पालकों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित....

गौरेला पेंड्रा मरवाही। जिला शिक्षा अधिकारी सह जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा में समावेशी शिक्षा अंतर्गत शिक्षक एवं दिव्यांग बच्चों के पालकों हेतु तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेजस हिन्दी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मल्टीपर्पज पेण्ड्रा के असेम्बली हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में श्री तिवारी ने जोर देते हुए कहा कि समाज को दिव्यांग बच्चों के प्रति सहानुभूति के बजाय सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। जब हम उन्हें समान अवसर और सही मार्गदर्शन देंगे तभी वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री एस एन सिंह भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विषय विशेषज्ञों ने समावेशी शिक्षा की विभिन्न गतिविधियों और उनकी कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला। श्री प्रवीण चौधरी जिला नोडल, श्रीमती मोना गौतम ने दिव्यांगता के प्रकारों, बच्चों के कानूनी अधिकारों और समावेशी शिक्षा की अवधारणा के बारे में विस्तार से बताया। श्री राजेंद्र साहू स्पेशल एजुकेटर ने शासन द्वारा प्रदान किए जाने वाले सहायक उपकरणों और उनसे होने वाले लाभों की जानकारी दी। श्रीमती वंदना तिवारी ने सांकेतिक भाषा के महत्व को समझाया। श्रीमती पूजा सिंह स्पेशल एजुकेटर ने दिव्यांग बच्चों के व्यवहार प्रबंधन और उनके मनोवैज्ञानिक विकास पर सुझाव साझा किए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में श्री प्रेम शंकर प्रसाद, श्रीमती दीपा श्याम, प्राची आर पीटर एवं रोहिणी का विशेष सहयोग रहा।

जल संचय जल संरक्षण मोर गाँव मोर पानी सचिव, देवदास मानिकपुरी, भरारी पंचायत

तखतपुर। जिला बिलासपुर के जनपद पंचायत तखतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भरारी में कार्यक्रम रखा गया जिसमें महाराष्ट्र से आये श्रद्धा सबुरी समाज सेवी संस्था, जिला पांडूरना, मध्यप्रदेश राज्य द्वारा गाँव गाँव में जल संरक्षण के संबंध में जागरूकता व वाटर हाइवे स्ट्रिंग पानी की उपयोगिता जल संचयन पोस्टर बैनर रैली एवं प्रोजेक्ट के माध्यम से ग्राम वासियों को बताये गए जलमेन, मास्टर मेन वी. वानखेड़े एवं उनके सहयोगी द्वारा बहुत ही अच्छे से ग्राम वासियों को जल संचयन जल संरक्षण की बार में विस्तृत रूप से बताया गया व आने वाले 50 वर्षो तक हम कैसे पानी बचाकर अपने आने वाले भविष्य को जल की उपलब्धता बनाये रख सकते हैं इस कार्यक्रम ग्राम पंचायत भरारी, नेवरा, कपसिया कला, टांडा, कपसिया खुर्द शामिल हैं, अध्यक्ष श्रद्धा सबुरी समाज सेवी संस्था पांडूरना मध्यप्रदेस, सरपंच भरारी सुश्री सुमिता टंडन, अमिता कौशिक, गणेश खांडे, संजय कौशिक, अजय कौशिक, अश्वनी भास्कर, पंचगण देवकान्त भास्कर, घनश्याम साहू द्वारिका दुबे, दुर्गेश निर्मलकर, राकेश साहू, त्रिजोगी साहू, पद्मनी उजागर, अश्वनी वस्त्रकार, अनीता उजागर रोजगार सहायक, सचिव ग्राम भरारी देवदास मानिकपुरी, उमेश पटेल, ग्रामवासी केदार साहू, पुनाराम, भनेश, रामचरण यादव, देवचरण, मुनीम श्रीवास, लक्ष्मण दास, रजनीकांत, सुनील अनीता, राजकुमारी एवं स्वच्छकांछी एवं आवास के ग्राम पंचायत भरारी, नेवरा, कपसिया कला, टांडा, कपसिया खुर्द शामिल हैं

बिलासपुर स्टेशन में चलाया गया औचक टिकट चेकिंग अभियान

■ 372 मामलों में 2 लाख 19 हजार 830 रुपये का जुर्माना वसूला गया

बिलासपुर। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम तथा स्टेशनों में यात्रियों को रेलवे नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री एस भारतीयन के नेतृत्व में बिलासपुर स्टेशन में दिनांक 25 फरवरी 2026 को औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई स्टाफभी शामिल थे। इस दौरान बिलासपुर स्टेशन एवं बिलासपुर–चांपा के मध्य विभिन्न 17 गाड़ियों में औचक टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया 7 इस अभियान में कुल 372 मामलों से 2 लाख 19 हजार 830 रुपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 303 मामले से 1,90,625 रुपए, अनियमित टिकट के 59 मामले से 28,205 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 10 मामले से 1,000 रुपए शामिल है 7 रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे यात्रा के लिए उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें तथा स्टेशन परिसर में प्रवेश से पूर्व प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए फुटओवर ब्रिज का ही उपयोग करें। रेलगाड़ी राष्ट्रीय संपत्ति है, इसे स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में रेल प्रशासन का सहयोग करें।

मादक पदार्थों पर नियंत्रण एवं कार्रवाई के संबंध में समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही। स्वापक औषधि मन: प्रभावी पदार्थों के अनाधिकृत व्यवसायियों पर नियंत्रण एवं कार्यवाई के संबंध में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार खिलारी ने मादक पदार्थों पर नियंत्रण एवं कार्रवाई के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। साथ ही नशीले पदार्थों से होने वाले नुकसान के प्रति जन जागरूकता हेतु समाज कल्याण विभाग के सहयोग से अभियान चलाने, सभी मेडिकल दुकानों में प्रतिबंधित दवाईयों की सूची चस्पा करने एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने कहा। कलेक्टर ने नशा मुक्ति केन्द्र में भर्ती नशा पीड़ितों की काउंसलिंग करके मनो वैद्यानिक ढ़ंग से नशे की लत छुड़ाने, उनका मेडिकल चेकअप कराने तथा केन्द्र से जाने के बाद उनका फॉलोअप करने कहा। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों, आश्रम–छात्रावासों के आसपास नशीली पदार्थों के अनाधिकृत व्यापार–व्यवसाय पर रोकथाम के उपाय सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए। शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में गुटका, सिगरेट, तम्बाकू आदि नशीले पदार्थो की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचालत मुकेश रावटे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा, एसडीएम पेण्ड्रारोड विक्रांत अंचल, एसडीएम मरवाही देवेन्द्र सिरमोर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा सहित समाज कल्याण, आबकारी, खाद्य, कृषि, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

रहंगी में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियां तेज कलेक्टर-एसएसपी ने किया स्थल निरीक्षण

बिलासपुर। बिल्हा विकासखंड के ग्राम रहंगी में 28 फरवरी को आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियां प्रशासनिक स्तर पर तेज कर दी गई हैं। कार्यक्रम स्थल का कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह ने संयुक्त रूप से निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय रहंगी के खेल मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों को धान खरीदी के अंतर की प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। साथ ही विभिन्न विभागों के करोड़ों रुपए के विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण तथा भूमिपूजन भी किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मुख्य सभामंच, सांस्कृतिक मंच, विभागीय स्टॉल, बैठक व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, पार्किंग, हेलीपैड एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए स्थल चिन्हांकित करते हुए सभी तैयारियां समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। खेल मैदान के समीप ही हेलीपैड का निर्माण किया जाएगा। अधिकारियों ने प्रस्तावित पार्किंग स्थलों का भी अवलोकन कर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने की रूपरेखा तय की। एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संभावित जनसमूह को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण एवं प्रवेश–निकास व्यवस्था की विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल सहित लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है।

होली त्यौहार के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे से 14 फेरे तथा यहां से होकर गुजरने वाली 56 फेरों सहित कुल 70 फेरों के लिए होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन

■ यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ एवं सुगम यात्रा की सुविधा

बिलासपुर। आगामी होली त्यौहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे द्वारा देशभर में व्यापक स्तर पर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय रेलवे ने सभी जोनों में कुल 1,244 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स का परिचालन प्रारंभ किया है, जिससे यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा सुनिश्चित की जा सके। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा अपने क्षेत्र से 14 फेरों की होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा, जबकि इसके अतिरिक्त 56 ट्रिप्स की होली स्पेशल ट्रेनें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। इस प्रकार होली पर्व के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कुल 70 होली स्पेशल ट्रेन ट्रिप्स यात्रियों की सुविधा के लिए उपलब्ध रहेंगी। दुर्ग, बिलासपुर एवं गोंदिया जैसे प्रमुख स्टेशनों से इन होली स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। इन ट्रेनों के माध्यम से दिल्ली, पटना, छपरा, मधुबनी, हजरत निजामुद्दीन, चर्लपल्ली सहित देश के विभिन्न महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए अतिरिक्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इन विशेष ट्रेनों का उद्देश्य होली के अवसर पर अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करना तथा यात्रियों को अधिक से अधिक कन्फर्म बर्थ के साथ सहज यात्रा प्रदान करना है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संचालित होली स्पेशल ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है :– 1. गाड़ी संख्या 08751/08752 दुर्ग–हजरत निजामुद्दीन–दुर्ग होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 02–02 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन दुर्ग से 01 व 02 मार्च (रविवार व सोमवार) को तथा वापसी में निजामुद्दीन से 02 व 03 मार्च (सोमवार व मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 2. गाड़ी संख्या 08863/08864 गोंदिया–छपरा–गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01–01 फेरों के लिए किया जाएगा ।यह ट्रेन गोंदिया से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में छपरा से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 3. गाड़ी संख्या 08865/08866 गोंदिया–छपरा–गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01–01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में छपरा से 04 मार्च (बुधवार) को व्हाया न्यू कटनी जंक्शन होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल एवं उमरिया स्टेशनों पर दिया गया है। 4. गाड़ी संख्या 08753/08754 दुर्ग–मधुबनी–दुर्ग होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01–01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन दुर्ग से 01 मार्च (रविवार) को तथा वापसी में मधुबनी से 02 मार्च (सोमवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव रायपुर, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है। 5. गाड़ी संख्या 08861/08862 गोंदिया–पटना–गोंदिया होली स्पेशल ट्रेन का परिचालन दोनों ओर से 01–01 फेरों के लिए किया जाएगा । यह ट्रेन गोंदिया से 02 मार्च (सोमवार) को तथा वापसी में पटना से 03 मार्च (मंगलवार) को व्हाया झारसुगुड़ा होकर चलेगी। इस गाड़ी का ठहराव डोंगरगढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चाम्पा एवं रायगढ़ स्टेशनों पर दिया गया है।

किस दिशा में रखें भगवान का भोग

पूजा-पाठ को लेकर सेंसेटिव होना आम बात है। कुछ लोग चली आ रही परंपरा को कभी तोड़ना नहीं चाहते हैं तो वहीं कुछ लोग डर की वजह से भी चीजों का पालन करते हैं। तो वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपने मन के हिसाब से पूजा-पाठ करते हैं। मन से की गई भक्ति में कुछ भी गलत नहीं होता है, लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जिसे नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ से जुड़ी हर एक मान्यता, कथा और परंपरा का अलग महत्व है। भगवान को हर दिन के भोग लगाने से लेकर मंदिर की दिशा समेत कई ऐसे नियम हैं, जिनका जिक्र वास्तु शास्त्र में है। आज बात करेंगे भगवान को लगाए जाने वाले भोग के बारे में। साथ ही जानेंगे कि आखिर वो कौन सी 3 चीजें हैं, जिनका पूजा घर में रहना जरूरी है।

भगवान का भोग रखने की दिशा

तो सबसे पहले जानेंगे कि आखिर भगवान को लगाए जाने वाले भोग की दिशा क्या होनी चाहिए? हिंदू धर्म में पूजा-पाठ के साथ ही भगवान को हर दिन भोग लगाना अनिवार्य है। आप जिस भी भी भगवान को मानते हैं, उनका प्रिय भोग जरूर लगाएं। कहा जाता है कि इससे हर मनोकामना जल्दी पूरी होती है। शास्त्र के हिसाब से भोग को हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में ही रखना चाहिए। दरअसल इस दिशा को अग्नि कोण कहा जाता है, जिसका संबंध अग्नि देव से होता है। जब इस दिशा में भोग लगाया जाता है तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। इसी के साथ अग्निदेव का भी आशीर्वाद मिल जाता है।

मंदिर में जरूर रखें ये 3 चीजें

ज्योतिषी शास्त्र के हिसाब से मंदिर में कुछ चीजों का होना बेहद ही जरूरी होती है। शास्त्र के हिसाब से मंदिर में शंख, घंटी और तुलसी के पत्तों का रहना जरूरी है। ये तीनों ही चीजें घर की एनर्जी को क्लिन करती हैं। शंख और घंटी की ध्वनि से घर के हर एक कोने में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं तुलसी से पूजा घर वाला स्थान शुद्ध हो जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।

आमलकी एकादशी व्रत : इस विधि से करने पर मिलता है पुण्य फल

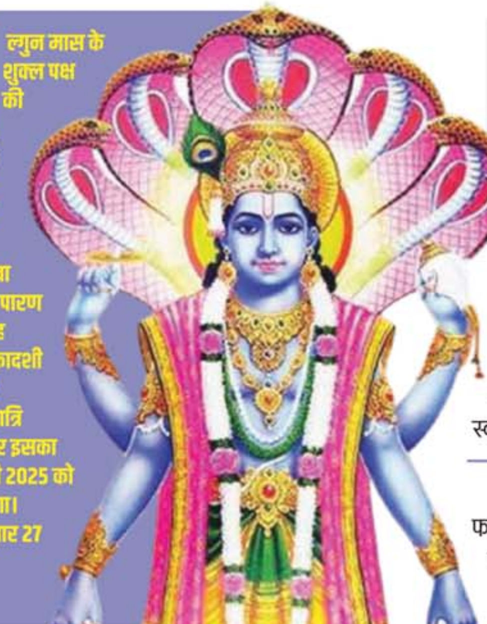

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को आमलकी एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस बार यह व्रत 27 फरवरी 2026 शुक्रवार के दिन रखा जाएगा। इस व्रत का पारण 28 फरवरी को सुबह होगा। आमलकी एकादशी तिथि का प्रारंभ: 27 फरवरी 2026 को रात्रि 12:33 बजे होगा और इसका समापन 27 फरवरी 2025 को रात्रि 10:32 बजे होगा। उदयातिथि के अनुसार 27 मार्च को व्रत रखा जाएगा।

एकादशी तिथि प्रारम्भ– 27 फरवरी 2026 को 12 :33 एएम बजे

एकादशी तिथि समाप्त– 27 फरवरी 2026 को 10 :32 पीएम बजे

आमलकी एकादशी

जब वृक्ष में बस गए श्री हरि शास्त्रों में 'आंवले' (आमलकी) को कोई साधारण फल नहीं, बल्कि 'आदि वृक्ष' माना गया है। लोककथाओं के अनुसार, जब भगवान विष्णु ने सृष्टि की रचना के लिए ब्रह्मा जी को प्रकट किया, उसी दिव्य क्षण में उन्होंने आंवले के वृक्ष को भी जन्म दिया। श्री हरि ने स्वयं इस वृक्ष के हर अंग में देवताओं का वास बताया है।

महत्व :

फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष में जब पुष्य नक्षत्र का संयोग बनता है, तब यह एकादशी आती है। मान्यता है कि जो मोक्ष की सीढ़ी चढ़ना चाहते हैं, उनके लिए यह व्रत सबसे उत्तम है।

पूजा की दिव्य विधि

भक्ति के रंग, आंवले के संग इस व्रत की शुरुआत दशमी की रात से ही हो जाती है, जब साधक भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए निद्रा का त्याग कर मन को सात्विक बनाता है।

हरीश पाठक को मिलेगा धर्मवीर भारती स्मृति व्यंग्य यात्रा सम्मान 2026

विष्णु नागर को रवींद्रनाथ त्यागी स्मृति व्यंग्य यात्रा शीर्ष सम्मान 2026

मुंबई। कथाकार, पत्रकार हरीश पाठक को प्रतिष्ठित धर्मवीर भारती स्मृति व्यंग्य यात्रा सम्मान 2026 से सम्मानित किया जायेगा। इसके पहले यह सम्मान विश्वनाथ सचदेव, आबिद सुरती और बलराम को दिया जा चुका है। प्रख्यात कथाकार व्यंग्यकार, संपादक विष्णु नागर को रवींद्रनाथ त्यागी स्मृति व्यंग्य यात्रा शीर्ष सम्मान और सोपान सम्मान विनोद कुमार विक्की और शारदा त्यागी स्मृति व्यंग्य यात्रा सम्मान स्नेहलता पाठक को दिया जाएगा। व्यंग्य यात्रा व्यंग्य चिंतक सम्मान संयुक्त रूप से बी एल आच्छा तथा संजीव कुमार को दिया जाएगा। रवींद्रनाथ त्यागी स्मृति एवं व्यंग्य यात्रा प्रबंध समिति की बैठक में बड़ी संख्या में आयी संस्तुतियों, प्रविष्टियों पर गहन चर्चा के बाद सर्व सम्मति से यह पुरस्कार तय किये गये। प्रख्यात कथाकार ममता कालिया की गरिमामयी उपस्थिति और प्रेम जनमेजय की अध्यक्षता और संरक्षक अशोक त्यागी और महासचिव रणविजय राव इसमें शामिल थे। प्रख्यात कथाकार सूर्यबाला से फोन पर संस्तुति ली गयी। सम्मानित होनेवाले सभी साहित्यकारों को सम्मान राशि के साथ प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिह्न, शॉल और श्रीफल दिया जाएगा। सम्मान समारोह 21 मार्च को दिल्ली स्थित हिंदी भवन में शाम 5 बजे आयोजित होगा।

ऐसे बनाएं होली पर भांग की ठंडाई

त्योहार का आनंद हो जाएगा दोगुना

होली और धुलेंड़ी का पर्व न सिर्फ रंगों का होता है, बल्कि इस दौरान भांग की ठंडाई का भी खास महत्व होता है। यह एक पारंपरिक ठंडा पेय है, जो खासकर होली के समय बनता है और इसे हर किसी को आनंद देने के लिए पिया जाता है। ठंडाई का स्वाद न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह शरीर को ठंडक भी प्रदान करता है। भांग, जिसे हिंदू धर्म में धार्मिक दृष्टिकोण से भी महत्व दिया जाता है, होली के दौरान विभिन्न मिठाइयों और पेय पदार्थों में मिलाकर सेवन की जाती है। इस पेय का मुख्य आकर्षण है 'भांग की ठंडाई', जो होली के उत्सव को और भी मनोरंजन से भर देती है। आइए जानते हैं भांग की ठंडाई बनाने की संपूर्ण रेसिपी:

सामग्री :

दूध – 1 लीटर, पानी – 1/2 कप, भांग – 2-3 चमच, चीनी – 1/2 कप या स्वाद अनुसार, बादाम – 10-12 कटे हुए, पिस्ता – 10-12 कटे हुए, काजू – 10-12 कटे हुए, कद्दू के बीज – 1 चमच, तरबूज के बीज – 1 चमच, सौंफ – 1 चम्मच, पंखुड़ी गुलाब – 1 चमच, इलायची पाउडर – 1/2 चम्मच

घनी-लंबी हो जाएंगी आपकी पलकें

सीख लें आईलैशेज बड़ी कैसे करें

घनी और लंबी पलकें हर किसी की खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। बाजार में महंगे-महंगे सीरम और मस्कारा तो मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ आसान घरेलू नुस्खों से भी आप अपनी पलकों को प्राकृतिक रूप से लंबा और घना बना सकते हैं? आइए जानते हैं आईलैशेज बढ़ाने के कारगर उपाय क्या हैं, जिन्हें आप कुछ दिन करके ही फर्क देखने लगेंगे।

जैतून का तेल

जैतून का तेल यानि की ऑलिव ऑयल विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो बालों के रोमछिद्रों को पोषण देता है। रात को सोने से पहले एक साफ मस्कारा ब्रश या रुई के फाहे की मदद से हल्के हाथों से पलकों पर तेल लगाएं। सुबह उठकर आंखें धो लें। नियमित उपयोग से पलकें मजबूत होंगी।

नारियल का तेल

नारियल का तेल लॉरिक एसिड से भरपूर होता है, जो बालों में गहराई तर जाकर उन्हें टूटने से बचाता है। यह पलकों को प्राकृतिक चमक भी देता है। रोजाना रात में इसकी मालिश करने से बाल झड़ना कम होता है।

कैस्टर ऑयल लगाएं

रात को साफ मस्कारा ब्रश या कॉटन बड से पलकों पर हल्का कैस्टर ऑयल लगाएं।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा को बालों के लिए शानदार माना जाता है। इसमें मौजूद एंजाइम और विटामिन बरौनियों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं। ताजे एलोवेरा का गूदा निकालकर उसका रस पलकों पर लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में फ्लेवोनोइड्स होते हैं, जो बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। एक इस्तेमाल की हुई ग्रीन टी की थैली को ठंडा करके उसके रस को पलकों पर लगाएं। यह प्राकृतिक कंडीशनर का काम करता है।

पेट की सफाई और पोषण

बाहरी उपायों के साथ-साथ अंदर की सफाई भी जरूरी है। अपनी डाइट में प्रोटीन, बायोटिन (अंडे, बादाम, शकरकंद) और ओमेगा-3 फैटी एसिड (मछली, अखरोट) शामिल करें। भरपूर पानी पिएं, जिससे शरीर डिटॉक्स होगा और बाल स्वस्थ रहेंगे।

पानी रहकर भी प्यासी हैं प्याऊं

- भायंदर पश्चिम में मनपा की जलप्याऊं जर्जर
- हजारों लीटर पानी हो रहा बर्बाद

भायंदर। भायंदर पश्चिम क्षेत्र में मीरा-भायंदर महानगरपालिका द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए बनाई गई पीने के पानी की प्याऊं आज बदहाली का शिकार हो चुकी हैं। कभी तत्कालीन नगरसेवकों की नगरसेवक निधि से जगह-जगह स्थापित की गई ये प्याऊं अब उचित देखभाल और रखरखाव के अभाव में जर्जर अवस्था में पहुंच गई हैं।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, इन प्याऊं में उपलब्ध पानी पीने योग्य नहीं रह गया है। कई स्थानों पर टंकियां टूटी हुई हैं, पाइपलाइन से लगातार पानी टपकता रहता है और स्वच्छता का भी घोर अभाव दिखाई देता है। परिणामस्वरूप, इन टंकियों में भरा पानी दूषित हो रहा है और रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर शहर के जागरूक नागरिक रवींद्र शिवनारायण गुप्ता ने मनपा आयुक्त को निवेदन पत्र सौंपकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। अपने पत्र में उन्होंने बताया कि कई प्याऊं केवल नाम मात्र के लिए खड़ी हैं ना तो वे उपयोग के योग्य हैं और ना ही उनकी नियमित सफाई व मरम्मत की जा रही है।

श्री नागरदास धारसी भूता हाईस्कूल का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

मुंबई। अंधेरी (पूर्व) स्थित श्री नागरदास धारसी भूता चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री नागरदास धारी भूता हाईस्कूल के माध्यमिक विभाग का वार्षिकोत्सव 20 फरवरी को विद्यालय के स्वर्गीय श्री जयसुखलाल नागरदास भूता क्रीड़ा प्रांगण में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समूचा परिसर उत्साह, अनुशासन और सांस्कृतिक छटा से आलोकित रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी सौरभजी कटियार (आईएएस) तथा सुप्रसिद्ध स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका चौधरी कटियार उपस्थित रहीं। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य निर्धारण, सतत परिश्रम तथा सुदृढ़ आधार निर्माण का संदेश दिया। उनके शब्दों से विद्यार्थियों में नवीन उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक कमलेश भूता, ट्रस्टी देवांगी भूता, ट्रस्टी शुभेदु भूता, ट्रस्टी तेजश्री भूता तथा ट्रस्टी डॉ. वृष्णि भूता विद्यालय प्रभारी सहित शिक्षकगण, अभिभावक शिक्षक संघ के सदस्य, अभिभावक एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पारंपरिक तिलक, पुष्पवर्षा एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत लेझीम नृत्य से किया गया। दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यालय गीत की प्रस्तुति ने वातावरण को गौरव और एकात्मता की भावना से अनुप्राणित कर दिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (पुणे) द्वारा आयोजित राज्य छात्रवृत्ति परीक्षा में कक्षा पांचवीं एवं आठवीं में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। ट्रस्टी कमलेश भूता ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, संस्कार एवं निरंतर अध्ययनशील बने रहने की प्रेरणा प्रदान की। विद्यालय के प्रत्येक विभाग से चयनित शिक्षकों को उनकी निष्ठा एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए "श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में विद्यार्थियों ने संगीत, नृत्य एवं नाट्य प्रस्तुतियों द्वारा उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। इस वर्ष का मुख्य विषय 'नवर ' रहा, जिसके अंतर्गत श्रृंगार, वीर, करुण, अद्भुत आदि नौ रसों पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियाँ दी गई।

महावितरण को 'बिग इम्पैक्ट' सम्मान

ठाणे। महावितरण को स्मार्ट मीटर लगाने की उपलब्धि पर 'बिग इम्पैक्ट' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुंबई में आयोजित समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 92.7 बिग एफएम की ओर से किया गया था। महाराष्ट्र ने 88.50 लाख अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर स्थापित कर देश में पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि में महावितरण की भूमिका अहम रही। ग्राहकों को शत-प्रतिशत सटीक बिल और बिजली खपत की प्रति घंटे जानकारी मोबाइल पर मिल रही है। स्मार्ट मीटर मुफ्त लगाए जा रहे हैं। समारोह मुंबई के सहारा स्टार होटल में हुआ। रितू तावडे और अभिनेत्री ईशा देओल के हाथों पुरस्कार प्रदान किया गया। महावितरण की ओर से कार्यकारी संचालक धनंजय औंधेकर, मुख्य अभियंता प्रवीण परदेशी और मुख्य जनसंपर्क अधिकारी भारत पवार ने सम्मान स्वीकार किया। कार्यक्रम में राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशिष शेलार और वरिष्ठ अभिनेता बोमन ईरानी भी मौजूद रहे। विभिन्न क्षेत्रों की नामचीन हस्तियां समारोह में शामिल हुईं। स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को समयानुसार बिजली उपयोग की योजना बनाने में सुविधा मिल रही है।

वसई पूर्व में गंदगी का 'तांडव'

सातिवली-तारकेनगर में नरकीय जीवन जीने को मजबूर नागरिक

महानगर संवाददाता

वसई

मनपा प्रशासन की लापरवाही का खामियाजा जनता को ही भुगतना पड़ता है। वसई पूर्व का सातिवली और तारकेनगर क्षेत्र इन दिनों 'स्मार्ट सिटी' के दावों की पोल खोल रहा है। क्षेत्र में चारों ओर पसरी गंदगी, बजबजाते नाले और बदहाल सार्वजनिक शौचालयों ने स्थानीय नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। आलम यह है कि सफाई के अभाव में यह पूरा इलाका बीमारियों के मुहाने पर खड़ा है, लेकिन वसई-विरार महानगरपालिका गहरी नींद में सोई हुई है।

शौचालय या बीमारियों का घर?

क्षेत्र में स्थित मनपा का सार्वजनिक शौचालय प्रशासन की लापरवाही का सबसे बड़ा प्रमाण है। शौचालय के भीतर और बाहर फैली गंदगी के कारण यहाँ से गुजरना भी दूभर हो गया है। शौचालयों में पानी की नियमित व्यवस्था नहीं है। कई शौचालयों के दरवाजे टूटे हुए हैं,जिससे महिलाओं और बच्चों को असुरक्षित और असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। सफाई न होने के कारण फैल रही वदवू से स्थानीय लोग बीमार पड़ रहे हैं।

जाम नाले और रासायनिक पानी का खतरा

सफाई व्यवस्था की स्थिति इतनी बदतर है कि सड़कों पर कचरे के पहाड़ खड़े हो गए हैं। डस्टबिन की कमी के कारण लोग सड़कों पर कचरा फेंकने को मजबूर हैं। वहीं, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला बिना शोधन का रासायनिक पानी सीधे नालों में छोड़ा जा रहा है। नाले कचरे से पूरी तरह जाम हैं, जिससे डेंगू, मलेरिया और चर्म रोगों का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

होली के लिए 20 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाएं चलाएगा मध्य रेल

महानगर संवाददाता

मुंबई

आगामी होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा 20 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवाएं चलाई जाएंगी। जिसका विवरण इस प्रकार है।

1) एलटीटी-मडगांव-एलटीटी साप्ताहिक विशेष ट्रेन (4 सेवाएं)

01003 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 02 मार्च और 09 मार्च प्रत्येक सोमवार को सुबह 8:20 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 22:40 बजे मडगांव पहुंचेगी। (2 सेवाएं) 01004 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 01 मार्च और 08 मार्च प्रत्येक रविवार को शाम 16:30 बजे मडगांव से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 5:50 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। (2 सेवाएं)

ठहराव: ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडवली, विलवडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली। संरचनाः , 18 शयनयान श्रेणी और 2 लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन।

2) दिवा-चिपलुन-दिवा अनारक्षित विशेष (16 सेवाएं)

अनारक्षित विशेष ट्रेन 01159 प्रतिदिन दिनांक 01 से 08. मार्च तक दिवा से 23.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.30 बजे चिपलुन पहुंचेगी। अनारक्षित विशेष ट्रेन 01160 दिनांक 01 मार्च से 08 मार्च तक चिपलुन से 15.30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 23.10 बजे दिवा पहुंचेगी।

ठहराव: नीलजे, तलोजा पांचनंद, कलांबोली, पनवेल, सोमाटने, आप्टा, जीते, पेन, कासू, नागोथाने, रोहा, कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वामने, करंजाड़ी, विनेहेरे, दीवानखावटी, कलांबानीबुद्रुक, खेड़ और अंजनी

संरचनाः 8 एमईएमयू कोच।

यात्रियों से अनुरोध है कि उपरोक्त ट्रेन सेवा अनारक्षित होंगी और सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू सामान्य शुल्क लागू होंगे। विशेष ट्रेनों के ठहराव एवं विस्तृत समय की जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएं।

पश्चिम रेलवे ने की एसी लोकल सेवाओं में वृद्धि

- कार्यदिवसों में 133 एवं सप्ताहांत में 106 वातानुकूलित लोकल
- सप्ताहांत में यात्रियों के लिए सफर हुआ और भी आसान

मुंबई। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम रेलवे पर वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यात्रियों की बढ़ती लोकप्रियता और मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे मुंबई उपनगरीय खंड में वातानुकूलित लोकल सेवाओं की संख्या निरंतर बढ़ा रही है। वर्तमान में पश्चिम रेलवे द्वारा अपने उपनगरीय नेटवर्क पर सोमवार से शुक्रवार 133 एसी लोकल सेवाएं संचालित की जा रही है। वहीं शनिवार और रविवार को 106 एसी लोकल सेवाएं चलाई जा रही हैं, जिससे सप्ताहांत में यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा और आराम मिल रहा है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस वर्ष कई नई लोकल सेवाएं शुरू की गई हैं, जिनमें एसी सेवाएं भी शामिल हैं। जनवरी माह में 12 एसी लोकल सेवाएं शुरू की गईं तथा फरवरी में 12 और सेवाएं जोड़ी गईं। इसके साथ ही पश्चिम रेलवे पर एसी सेवाओं की कुल संख्या बढ़कर 133 हो गई है। एसी सेवाओं की बढ़ी हुई संख्या से यात्रियों को सप्ताहांत में भी सुविधाजनक, आरामदायक और वातानुकूलित यात्रा का अनुभव मिल रहा है। श्री विनीत ने आगे बताया कि एसी लोकल ट्रेनें बेहतर यात्रा सुविधा प्रदान करती हैं और उपनगरीय नेटवर्क के विभिन्न वर्गों के यात्रियों से इन्हे लगातार सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। सप्ताहांत पर अतिरिक्त एसी सेवाओं की उपलब्धता से विशेष रूप से उन यात्रियों को लाभ हुआ है जो कार्यालय, अवकाश या अन्य व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा करते हैं। साथ ही, इससे आगामी ग्रीष्म ऋतु में भी यह यात्रियों के लिए बड़ी राहत मिलेगी। पश्चिम रेलवे सुरक्षित, कुशल और यात्री-अनुकूल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसी लोकल सेवाओं की बढ़ी हुई उपलब्धता दैनिक यात्रा की गुणवत्ता में सुधार करने और मुंबई की जीवनरेखा को और सुदृढ़ बनाने के इसके निरंतर प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी: आईटीबीपी का दबदबा, तीसरे दिन झटके 18 पदक; दुर्ग संभाग आयुक्त और आईजी ने किया विजेताओं का सम्मान

भिलाई (दुर्ग)। प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई के खेल मैदान में आयोजित 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता 2025-26 के तीसरे दिन (25 फरवरी 2026) रिकर्व, कंपाउंड और इंडियन राउंड स्पर्धाओं के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र बलों के खिलाड़ियों ने अपने तकनीकी कौशल और सटीक निशानेबाजी का अद्भुत प्रदर्शन किया।

आईटीबीपी पदक तालिका में शीर्ष पर-प्रतियोगिता के तीसरे दिन कुल 56 पदकों का वितरण किया गया। पदक तालिका में आईटीबीपी (ढ्ढञ्जक्चक्क) ने अपना वर्चस्व कायम रखते हुए सर्वाधिक 18 पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। उत्तर प्रदेश पुलिस 08 पदकों के साथ दूसरे और सीआरपीएफ 06 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। अन्य बलों में राजस्थान और सीआईएसएफ को 5-5, जबकि असम राइफल्स, बीएसएफ और एसएसबी को 4-4 पदक मिले। असम और महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने भी 1-1 पदक अपने नाम किया।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह-विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजय यादव (ढ्ढत्र), सत्यानारायण राठौर (आयुक्त, दुर्ग संभाग), अभिषेक शांडिल्य (ढ्ढत्र, दुर्ग रेंज) और राजेश कुकरेजा (ष्ठढ्ढत्र/खेल अधिकारी) सहित अन्य वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पुलिस बलों के बीच ऐसी प्रतियोगिताएं न केवल खेल भावना बढ़ाती हैं, बल्कि अनुशासन और मानसिक मजबूती का भी प्रतीक हैं।कल होंगे मिक्स्ड टीम इवेंट-भारतीय तीरंदाजी संघ के तकनीकी मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता के चौथे दिन, यानी 26 फरवरी 2026 को टीम और मिक्स्ड टीम इवेंट्स के मुकाबले होंगे। इसमें विभिन्न राज्यों और अर्धसैनिक बलों की टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिलेगी।

दुर्ग में कल उमड़ेगा आस्था का सैलाब: सत्तीचौरा से कादंबरी नगर तक सजेगी 'मिनी खाटू' की झलक

दुर्ग। अब न प्यारे वक़्त है आराम का, आ गया लो मेला मेरे श्याम का...÷ की गूंज के साथ कल संस्कारधानी दुर्ग पूरी तरह से श्याममयी होने जा रही है। फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर, गंजपारा से एक भव्य और ऐतिहासिक निशान यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर को खाटू धाम के रंगों में सराबोर कर देगी।

खाटू धाम जैसा होगा नजारा- शुक्रवार, 27 फरवरी को सुबह 7 बजे से शुरू होने वाली इस यात्रा में श्रद्धालुओं को राजस्थान के खाटू धाम जैसा अनुभव होगा। यात्रा की शुरुआत रिंग्स (रींगस) रूपी विशेष गेट से होगी। इस दौरान बाबा श्याम के भक्तों पर इत्र, गुलाल और फूलों की अमृत वर्षा की जाएगी। यात्रा में विशेष आकर्षण का केंद्र घोड़े, बग्गी और सजे-धजे रथ होंगे, जो इस धर्म यात्रा को और भी अलौकिक बनाएंगे।

भजनों की गंगा और भक्तों का उत्साह- हजारों की संख्या में श्याम भक्त हाथों में केसरिया निशान लेकर बाबा के भजनों पर थिरकते हुए निकलेंगे। यह यात्रा गंजपारा से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए श्री श्याम मंदिर, कादंबरी नगर में संपन्न होगी। आयोजकों ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य दुर्ग नगर को फाल्गुन के पावन अवसर पर खाटू धाम जैसा स्वरूप देना है। कार्यक्रम सुबह 7:00 बजे, श्री सत्तीचौरा माँ दुर्गा मंदिर, गंजपारा से शुरू होगी और समापन श्री श्याम मंदिर, कादंबरी नगर में होगी।

इसके अलावा आज भजन संध्या आयोजित की जाएगी। आयोजनकर्ताओं समस्त श्याम प्रेमियों ने नगरवासियों से अपील की है कि इस भव्य निशान यात्रा का हिस्सा बनकर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

रिसाली के इन 5 वार्डों में दो दिन नहीं आएगा पानी, मोरिद फिल्टर प्लांट में आई तकनीकी खराबी

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के डुडेरा और पुरैना क्षेत्र के निवासियों को अगले दो दिनों तक जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। मोरिद स्थित 6 स्रूष्ठ जल शोधक संयंत्र (फिल्टर प्लांट) में अचानक तकनीकी खराबी आने के कारण मरम्मत कार्य के लिए शटडाउन लिया गया है।

शुक्रवार और शनिवार को सप्लाई रहेगी बंद- नगर निगम प्रशासन के मुताबिक, मरम्मत कार्य के चलते शुक्रवार और शनिवार को इन क्षेत्रों के 5 वार्डों में पूर्ण रूप से जल आपूर्ति बाधित रहेगी। जल कार्य विभाग के सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता ने बताया कि प्लांट की खराबी को दूर करने का काम युद्ध स्तर पर किया जा रहा है ताकि जल्द से जल्द सप्लाई बहाल की जा सके।

टैंकरों से होगी पानी की सप्लाई- आम जनता की परेशानी को देखते हुए विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। प्रभावित वार्डों में आवश्यकतानुसार पानी के टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति की जाएगी। निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे उपलब्ध पानी का संचय करें और सहयोग बनाए रखें।

एनएच 930 सड़क के दोनों ओर अवैध कब्जों को हटाने 3 दिन का विशेष अभियान, बनी रणनीति

बस स्टैंड में लंबे समय से खड़ी बसों को परिसर से हटाने की जाएगी कार्यवाही, बालोद नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुंदर बनाने एसडीएम ने कसी कमर

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद से होकर गुजरने वाली एनएच-930 मार्ग में अतिक्रमण धारियों के खिलाफ राजस्व एवं निकाय प्रशासन संयुक्त रुप से अभियान चलाकर अवैध कब्जों को हटाने की कार्यवाही करने जा रही हैं। इसके साथ ही नगर के नए बस स्टैंड में लंबे समय से खड़ी बसों के विरूद्ध भी बस स्टैंड परिसर से हटाने की कार्यवाही भी करेगी। इस सम्बंध में बुधवार को बालोद एसडीएम नूतन कंवर द्वारा नगर में अतिक्रमण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। जिसमें ग्राम झलमला के मुख्य चौक से बालोद जिला मुख्यालय स्तिथ पर्यावरण पार्क तक राष्ट्रीय राजमार्ग 930 सड़क के दोनों ओर विभिन्न अतिक्रमणकारियों द्वारा किये गये कब्जे को हटाने के संबंध में चर्चा की गई। कब्जा हटाने की कार्यवाही राजस्व, निकाय एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा सयुंक्त रूप से की जाएगी। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, उपाध्यक्ष कमलेश सोनी, जिला चेंबर ऑफकॉमर्स अध्यक्ष हरीश सांखला सहित अन्य गणमान्य नागरिकों से विचार विमर्श उपरांत निर्णय लिया गया कि अतिक्रमण हटाने के संबंध में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा चिन्हित अतिक्रामकों सहित अन्य अतिक्रामकों को मुनादी कराया जाकर तीन दिन में स्वतः अपना कब्जा हटाये जाने का आग्रह किया जाएगा। इसके बाद नियमानुसार बलपूर्वक कब्जा हटाये जाने की कार्यवाही की जाएगी।

नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुंदर बनाना है : एसडीएम

वही बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि नगर के नए बस स्टैण्ड परिसर में लंबे समय से खड़ी बसों को हटवाते हुए उनके मालिकों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। बस स्टैण्ड में ट्रकों को भी खड़े होने से रोका जावे। बस स्टैंड को बस संचालकों ने अवैध रूप से बस डिपो बनाकर रख दिया हैं। जिज़के मद्देनजर ऐसी बसें जो सड़को पर नई चलती है, जिनका परमिट नही है, जो लंबे समय से बस स्टैंड परिसर में ही खड़ी हुई है, ऐसी बसों को परिसर से हटाने की कड़ी कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम नूतन कंवर ने कहा कि बालोद नगर को अतिक्रमण मुक्त एवं सुंदर बनाना है, जिसमें हम सभी को अपनी भागीदारी निभानी होगी। बैठक में एसडीओ राष्ट्रीय राजमार्ग अनिल छारी, तहसीलदार आशुतोष शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोबिन अली, यातायात प्रभारी रविशंकर पाण्डेय, उप निरीक्षक कमला यादव, झलमला सरपंच चुम्मन ठाकुर, सिवनी सरपंच बहुर सिंह नेताम, पार्षद आशा पटेल, विनोद शर्मा, राजस्व निरीक्षक दयालु सागर, संध्या वर्मा, पटवारी आशीष शर्मा, टुमन बघेल, बबीता मण्डावी, पंचायत सचिव संतोषी सोनकर, रमेश निषाद सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बड़ा हादसा टला: भिलाई-3 में बारूद से भरा अनियंत्रित ट्रक ट्रांसफार्मर से टकराया, केबिन में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने पाया काबू

भिलाई-3। रायपुर की ओर जा रहा बारूद से लदा एक ट्रक (वाहन क्रमांक ञ्जस् 05 क्क 2355) गुरुवार को भिलाई-3 के पास अनियंत्रित होकर एक बिजली के ट्रांसफार्मर से जा टकराया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक सर्विस रोड पर उतर गया और उसके केबिन में भीषण आग लग गई. बारूद की मौजूदगी के कारण एक बड़े विस्फोट का खतरा मंडरा रहा था, जिसे दमकल विभाग की तत्परता ने टाल दिया.

दमकलकर्मियों ने दिखाई बहादुरी- पुलिस कंट्रोल रूम से मिली सूचना के आधार पर जिला सेनानी एवं अग्निशमन अधिकारी श्री नागेंद्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अग्निशमन कार्यालय से तत्काल दो दमकल वाहन मौके पर रवाना किए गए. घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए दमकलकर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर जलते हुए ट्रक के केबिन में प्रवेश किया और आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया. उनकी इस बहादुरी से बारूद तक आग पहुँचने से पहले ही बुझा दी गई, जिससे एक भीषण जनहानि और धमाका होने से बच गया.

पुलिस जांच जारी-आग बुझने के बाद पुलिस और अग्निशमन दल की मदद से सुरक्षित निकाले गए ट्रक को भिलाई-3 थाने में रखवाया गया है. पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है कि दुर्घटना किस कारण से हुई. इस महत्वपूर्ण ऑपरेशन को नियंत्रित करने में दल प्रभारी महेंद्र चंदेल और केशव यादव के साथ राजेश साहू, हीरामन, धर्मेंद्र साहू, शशांक, मनीष, रामनाथ कुर्रे, टिकेंद्र, संतोष और भीषम की सक्रिय भूमिका रही।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का फूटा दर्द

50 वर्षों की सेवा के बाद भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहीं 'अमृत काल' की सारथी

दुर्ग। देश भर में एकीकृत बाल विकास सेवा (ढ्ढष्ठस्) की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने पर महिला एवं बाल विकास विभाग 'गोल्डन जुबली' (स्वर्ण जयंती) मना रहा है। एक तरफ जहां सरकार इसे 'अमृत काल' कह रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही हैं।

मानदेय नहीं, यह मजाक है- आंगनबाड़ी संघ की बहनों का कहना है कि वे 50 वर्षों से विभाग की रीढ़ बनी हुई हैं। कोविड महामारी के दौरान जान जोखिम में डालना हो, निर्वाचन कार्य हो या स्वास्थ्य सर्वे, हर मोर्चे पर वे डटी रहीं। इसके बावजूद केंद्र सरकार द्वारा कार्यकर्ताओं को मात्र ?4500 और सहायिकाओं को ?2250 प्रति माह मानदेय दिया जा रहा है। महंगाई के इस दौर में इसे 'जीने लायक वेतन' कहना भी मुश्किल है। कार्यकर्ताओं ने इसे श्रम नियमों का खुला उल्लंघन बताया है।

सरकार की अनदेखी से आक्रोश- प्रदर्शनकारी बहनों ने बताया कि केंद्र सरकार ने साल 2018 के बाद से मानदेय में एक रुपये की भी वृद्धि नहीं की है। वहीं, छत्तीसगढ़ की वर्तमान सरकार पर भी वादाखिलाफी का आरोप लगा है। पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार की ओर से न तो मानदेय बढ़ाया गया और न ही किसी अन्य सुविधा की घोषणा की गई।

बुढ़ापे और बीमारी का कोई सहारा नहीं- ज्ञापन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने अपनी प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें शामिल हैं:

शासकीयकरण: विभाग में नियमित कर्मचारी का दर्जा दिया जाए।

सामाजिक सुरक्षा: बुढ़ापे के सहारे के लिए मासिक पेंशन और एकमुश्त ग्रेच्युटी राशि का प्रावधान। स्वास्थ्य सुरक्षा: गंभीर बीमारी की स्थिति में कैशलेस चिकित्सा सुविधा और समूह बीमा।

अवकाश की सुविधा: पारिवारिक दायित्वों और बच्चों के विवाह हेतु पर्याप्त सवैतनिक अवकाश (वर्तमान में मानदेय कटवाना पड़ता है)।

आंगनबाड़ी बहनों का कहना है कि जब हम विभाग का 'गोल्डन जुबली' वर्ष मना रहे हैं, तो सरकार को हमारे भविष्य को भी सुनहरा बनाना चाहिए। यदि मांगें पूरी नहीं हुई, तो आने वाले समय में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com